INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-66 | मथुरा, रविवार, 3 मई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

दिल्ली में एसी ब्लास्ट होने से बहुमंजिला इमारत में लगी आग

भीषण अग्निकांड में नौ लोगों की मौत

सभी मृतकों की हुई पहचान, इनमें डेढ़ साल का बच्चा शामिल

झुलसे लोग अस्पताल में भर्ती

सीएम रेखा गुप्ता ने जताया दुख

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के विवेक विहार इलाके में देर रात एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां एसी ब्लास्ट के बाद बहुमंजिला इमारत के कई फ्लैटों में भीषण आग लग गई। इस हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा–तफरी मच गई और राहत–बचाव कार्य तुरंत शुरू किया गया।

जानकारी के अनुसार, आग सुबह करीब 3:47 बजे लगी, जिसकी सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। जिस इमारत में आग लगी, उसमें तीन मंजिलों पर कुल छह फ्लैट प्रभावित हुए। बिल्डिंग में करीब आठ परिवार रहते थे। आग इतनी तेजी से फैली कि कई लोग अंदर ही फंस गए। पुलिस, दमकल विभाग और बचाव दल ने मिलकर करीब 10 से 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। दो घायलों को इलाज के लिए गुरु तेग बहादुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के मुताबिक, आग दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल तक फैल गई थी। मौके पर 12 दमकल गाड़ियां, डीडीएमए टीम, ट्रैफिक पुलिस और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे।

कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, हालांकि सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है। इस हादसे में जिन नौ लोगों की मौत हुई, उनकी पहचान अरविंद (60 वर्ष), उनकी पत्नी अनीता जैन (58 वर्ष), उनके बेटे निशांत जैन (35 वर्ष), बहू अंचल जैन (33 वर्ष), पोता मास्टर आकाश जैन (1.5 वर्ष), शिखा जैन (45 वर्ष), नितिन जैन (लगभग 50 वर्ष), शैले जैन (लगभग 48 वर्ष) और सम्यकन जैन (लगभग 25 वर्ष) के रूप में हुई है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह हादसा बेहद दुखद है और सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। साथ ही, घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

इधर, मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राहत कोष से 2 लाख रुपए दिए जाएंगे। वहीं, घायलों को 50 हजार रुपए की मदद मिलेगी।

बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर को मिली नई गति

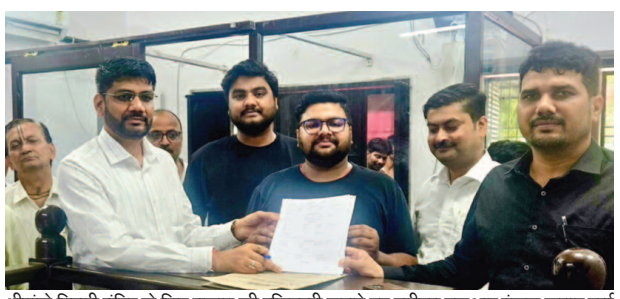

श्रीबांके बिहारी मंदिर के लिए मकान की रजिस्ट्री कराते हुए एडीएम एफआर पंकज कमार वर्मा व मकान स्वामी।

एक और भूमि रजिस्ट्री संपन्न

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन स्थित श्री बांके बिहारी जी मंदिर के आसपास जनसुविधाओं के विकास के लिए भूमि क्रय प्रक्रिया लगातार आगे बढ़ रही है। इसी क्रम में रविवार को एक और महत्वपूर्ण रजिस्ट्री संपन्न की गई। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) डॉ. पंकज कुमार वर्मा की उपस्थिति में मकान संख्या 135 (जेके–29/1), क्षेत्रफल 55.19 वर्ग मीटर का बैनामा शुभम गोस्वामी एवं लाभम गोस्वामी (पुत्रगण धर्मेंद्र कुमार गोस्वामी) द्वारा तहसीलदार सदर के माध्यम से ठाकुर श्री बांके बिहारी जी (देवता) के नाम कराया गया। इस नई रजिस्ट्री के साथ अब तक कुल 13 बैनामों के माध्यम से 1186.46 वर्ग मीटर भूमि मंदिर क्षेत्र के विकास के लिए अधिग्रहित की जा चुकी है। प्रशासन के अनुसार 4 मई को लगभग 310 वर्ग मीटर क्षेत्रफल के तीन और मकानों की रजिस्ट्री प्रस्तावित है, जिनके लिए संबंधित विक्रेताओं ने अपने अभिलेख उपलब्ध करा दिए हैं। यह पूरी कार्यवाही सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के क्रम में गठित हाई पावर्ड मैनेजमेंट कमेटी की निगरानी में की जा रही है। प्रशासन का कहना है कि भूमि स्वामियों को उचित मुआवजा दिया जा रहा है, साथ ही दुकानों के बदले दुकान और मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण द्वारा सुनरख एवं रुक्मिणी विहार में फ्लैट भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। हाई पावर्ड मैनेजमेंट कमेटी में सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति अशोक कुमार (अध्यक्ष), मुकेश मिश्रा, विकास कुमार, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह (सदस्य सचिव), वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार, नगर आयुक्त जग प्रवेश, उपाध्यक्ष मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण लक्ष्मी एनजी सहित अन्य प्रशासनिक एवं गोस्वामी समाज के प्रतिनिधि शामिल हैं।

सख्ती जिलाधिकारी ने नौका संचालन व्यवस्था का किया निरीक्षण

बिना लाइसेंस नाव संचालन पर होगी सख्त कार्रवाई

वृंदावन के केशी घाट पर नाविकों को लाइसेंस वितरित करते डीएम सीपी सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार एवं अधिकारीगण।

केशी घाट पर नाविकों को मिले लाइसेंस

400 ने लिए फॉर्म, 135 नाविकों को प्रमाण पत्र वितरित

यूनिक समय, मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने वृंदावन के केशी घाट पर नगर निगम मथुरा–वृंदावन द्वारा आयोजित नाविक रजिस्ट्रेशन कैंप में नाविकों को लाइसेंस प्रमाण पत्र वितरित किए। जिलाधिकारी ने बताया कि नाविकों और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

नाविकों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए सामान्य नाव के पंजीकरण शुल्क को 500 रुपये और मोटर बोट के लिए 1500 रुपये निर्धारित किया गया है। अब तक लगभग 400 लोगों ने पंजीकरण फॉर्म खरीदे हैं, जबकि 135 नाविकों को लाइसेंस प्रमाण पत्र जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने सभी नाव संचालकों को निर्देश दिए कि नावों में आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराना अनिवार्य है। साथ ही नाविकों और श्रद्धालुओं के लिए लाइफ सेविंग जैकेट पहनना जरूरी किया गया है। नाव में बैठने वाले यात्रियों की संख्या भी निर्धारित कर दी गई है, जिसका सख्ती से पालन कराया जाएगा।

जिलाधिकारी ने कहा कि सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। केवल वही नावें संचालित होंगी जिनका पंजीकरण हुआ है और चालकों के पास वैध लाइसेंस होगा। नावों की फिटनेस की भी समय–समय पर जांच की जाएगी और प्रशिक्षित नाविकों को ही संचालन की अनुमति दी जाएगी।

कार्यक्रम के बाद अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) डॉ. पंकज कुमार वर्मा, एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह और अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह सहित अन्य अधिकारियों ने केशी घाट से चीर घाट तक नौका विहार कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

अंतर्राष्ट्रीय अग्निशमन दिवस कल: फायर ब्रिगेड के सिपाहियों' को सलाम

खतरों के बीच भी अडिग रहते हैं फायरकर्मी

जान जोखिम में डाल आग बुझाते फायरकर्मी। (फाइल फोटो)

फायर ब्रिगेड की गाड़ी खड़ी हुईं ।

सेवा और साहस की मिसाल बनी फायर ब्रिगेड

परिवार से पहले फर्ज खतरे के बीच भी नहीं हटते पीछे

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। चार मई को अंतर्राष्ट्रीय अग्निशमन दिवस मनाया जाएगा। यह दिन उन बहादुर अग्निशमन कर्मियों को समर्पित है जो अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की जिंदगी और संपत्ति की रक्षा करते हैं। साथ ही उन शहीद अग्निशमन कर्मियों को याद करने का भी अवसर है, जिन्होंने कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। जिले में भी फायर ब्रिगेड के जवान हर परिस्थिति में पूरी निष्ठा और साहस के साथ अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं। आग की घटनाएं कभी भी, कहीं भी हो सकती हैं। कई बार हालात इतने खतरनाक होते हैं कि सांस लेना तक मुश्किल हो जाता है, लेकिन इसके बावजूद फायर कर्मी पीछे नहीं हटते और हालात पर काबू पाने में जुट जाते हैं। उनके लिए सबसे बड़ा धर्म लोगों की जान बचाना होता है। अंतर्राष्ट्रीय अग्निशमन दिवस के मौके पर यदि ऐसे जांबाजों का सम्मान किया जाए तो उनका मनोबल और अधिक मजबूत होता है।

फायर विभाग की तत्परता और प्रशिक्षण किसी भी संकट को टालने में सक्षम

मथुरा–वृंदावन जैसे धार्मिक और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में फायर ब्रिगेड की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। संकरी गलियां, पुराने भवन और त्योहारों के दौरान बढ़ती भीड़ के बीच आग लगने की घटनाओं में त्वरित कार्रवाई एक बड़ी चुनौती होती है। इसके बावजूद फायरकर्मी अपनी सूझबूझ और साहस से हालात पर काबू पा लेते हैं।

हाल ही में शहर में हुई कुछ आग की घटनाओं का जिक्रकरते हुए अधिकारियों ने बताया कि समय रहते पहुंचकर बड़े नुकसान को टाल दिया गया। इन घटनाओं ने यह साबित कर दिया कि फायर विभाग की तत्परता और प्रशिक्षण किसी भी संकट को टालने में सक्षम है।

फायर मैन समाज के लिए प्रेरणा स्त्रोत

यूनिक समय, मथुरा। मुख्य अग्निशमन अधिकारी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि जनपद में फायर सर्विस लगातार अपनी कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आग की घटनाओं पर समय रहते नियंत्रण पाने के लिए तैयार रहती है। उन्होंने कहा कि आम जनता को भी जागरूक होना जरूरी है, ताकि छोटी–छोटी सावधानियों से बड़ी घटनाओं को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष नुकसान में कमी आई है, जो टीम की तत्परता और जनता के सहयोग का परिणाम है। फायर कर्मियों हर परिस्थिति में अपने कर्तव्य के प्रति समर्पित रहते हैं। ऐसे यह समाज के लिए प्रेरणा है।

सेवा ही धर्म' का जीता–जागता उदाहरण

यूनिक समय, मथुरा। अग्निशामक बिना किसी भेदभाव के दिन–रात अपनी ड्यूटी निभाते हैं। उनका उद्देश्य सिर्फ एक होता है–"हर हाल में जीवन की रक्षा करना।" मथुरा के फायरकर्मी भी इसी भावना के साथ लगातार कार्य कर रहे हैं और समाज के लिए प्रेरणा बन रहे हैं।

फायर ब्रिगेड के फायरमैन विनोद कुमार शर्मा ने बताया कि जब भी आग लगने की सूचना मिलती है, उस समय अपनी जान की परवाह करने का मौका ही नहीं मिलता। उस समय केवल यही ध्यान रहता है कि कैसे भी जल्द से जल्द आग पर काबू पाया जाए और नुकसान को कम किया जाए।

फायर मैन सत्यवीर सिंह ने अनुभव साझा करते हुए कहा कि कई बार ऐसी परिस्थितियां सामने आती हैं, जहां खतरे का अंदाजा लगाना भी मुश्किल होता है। आग कब किस रूप में भड़क जाए, यह कहना कठिन होता है। इसके बावजूद फायर कर्मी अपने कर्तव्य से पीछे नहीं हटते और पूरी टीम के साथ मिलकर हर चुनौती का सामना करते हैं।

शैलेंद्र सिंह ने बताया कि फायर ब्रिगेड के जवान 24 घंटे अलर्ट मोड में रहते हैं। चाहे दिन हो या रात, बारिश हो या ठंड। हर परिस्थिति में वे तुरंत मौके के लिए तैयार रहते हैं। उन्होंने कहा कि कई बार परिवार के साथ समय बिताने का मौका भी नहीं मिल पाता, लेकिन लोगों की सुरक्षा ही उनके लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता होती है।

फायरमैन मोहन सिंह ने कहा कि जब वे ड्यूटी पर होते हैं, तो पूरी तरह से अपने काम में जुट जाते हैं। उस समय न थकान का अहसास होता है और न ही किसी अन्य बात का ध्यान रहता है। लक्ष्य केवल एक होता है। आग को जल्द से जल्द बुझाकर लोगों को सुरक्षित करना।

फायरमैन मनीष कुमार ने बताया कि उनकी ड्यूटी का कोई तय समय नहीं होता। वे रात में भी अपनी वर्दी पास रखकर सोते हैं, क्योंकि किसी भी समय कॉल आ सकती है। उन्होंने कहा कि कई बार बिना परिवार को बताए ही मौके के लिए निकलना पड़ता है, क्योंकि हर सेकंड कीमती होता है।

फायरमैन देवेंद्र सिंह ने कहा कि कई बार हालात इतने व्यस्त होते हैं कि वर्दी उतारने का भी समय नहीं मिलता। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 की तुलना में 2025 में आग की घटनाओं से होने वाला नुकसान कुछ कम हुआ है, जो बेहतर सतर्कता और त्वरित कार्रवाई का परिणाम है। क्योंकि ये वही लोग हैं जो दूसरों की जिंदगी बचाने के लिए हर खतरे का सामना करते हैं।

भारत विकास परिषद ने किया कवियों का अभिनंदन

भारत विकास परिषद ने देश के विख्यात कवि दिनेश रघुवंशी व अनिल अग्रवाल का किया अभिनंदन।

यूनिक समय,मथुरा। भारत विकास परिषद द्वारा शहर में आयोजित एक कार्यक्रम में कवि डॉ. दिनेश रघुवंशी एवं हास्य कवि अनिल अग्रवाल का भव्य अभिनंदन किया गया। उनके मथुरा आगमन पर साहित्य प्रेमियों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. दिनेश रघुवंशी ने कहा कि आधुनिक युग में नई पीढ़ी करियर के नाम पर विदेशों की ओर रुख कर रही है, जिससे वे अपने परिवार, संस्कार और भारतीय संस्कृति से दूर होते जा रहे हैं। उन्होंने अभिभावकों से आह्वान किया कि वे बच्चों को संस्कारयुक्त जीवन दें और भारतीय संस्कृति से जोड़ें, ताकि वे परिवार के साथ रहकर भी सफल जीवन जी सकें। वहीं हास्य कवि अनिल अग्रवाल ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हास्य एक औषधि का काम करता है। उन्होंने कहा कि कवि सम्मेलन भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। कार्यक्रम में भारत विकास परिषद के संस्थापक सचिन अग्रवाल,यशवीर शर्मा, राजेश अग्रवाल, मनोज अग्रवाल आदि हास्य कवियों का स्वागत किया। इस अवसर पर विनोद पाल, खुशबू शर्मा, मृदुल कृष्ण अग्रवाल, यश अग्रवाल, आलोक जैन, जीतू गर्ग, सीए अभिषेक अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

संस्कृति संरक्षण पर दिया जोर

आपातकालीन सेवाएं

112	-आपातकालीन सेवा
1962	- रेलवे हेल्पलाइन
100	- पुलिस
108	- एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102	- एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101	- अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090	- महिला हेल्पलाइन
1091	- महिला पुलिस सहायता
1098	- चाइल्ड हेल्पलाइन
104	- स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076	- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033	- राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073	- सड़क दुर्घटना आपात सहायता

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-2420150,
मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

महिला के अंतिम संस्कार को लेकर साधु व परिजन भिड़े

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन परिक्रमा मार्ग स्थित गीता आश्रम में एक महिला का अंतिम संस्कार करने को लेकर आश्रम के साधुओं और महिला के परिवार के लोगों बीच विवाद हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस और राजस्व विभाग की टीम ने कागजात देखने के बाद विरोध करने वालों को हिरासत में ले लिया और महिला के शव का अंतिम संस्कार करा दिया।

बताया गया है कि भरतपुर के धाऊआसा के रहने वाली सुशीला सिंह का भरतपुर में हृदयगति रुक जाने के कारण निधन हो गया था। सुशीला सिंह के बेटे वीरभान सिंह और मनिभान सिंह परिवार के लोगों के साथ मां के शव को लेकर अंतिम संस्कार करने के लिए गोवर्धन स्थित गीता आश्रम पहुंचे। मां के अंतिम संस्कार को लेकर गीता आश्रम में रहने वाले साधुओं ने इन लोगों का विरोध किया। दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ जाने के कारण बात पुलिस तक पहुंच गई। साधू यह कहकर विरोध कर रहे थे कि यह साधुओं की भजन स्थली है। यह कहते हुए साधुओ ने अंतिम संस्कर करने से इंकार कर दिया और अंतिम संस्कार की अनुमति नहीं दी। गीता आश्रम में इन समाधियों में कई साधुओं की समाधी भी बनी हुई है। परिवार के लोग यहां अंतिम संस्कार करने को लेकर अढ़ गए। इस पर बात बढ़ गई और स्थिति बिगड़ने लगी।

आश्रम में महिला के अंतिम संस्कार का विरोध करते साधु और अन्य लोग।

काफी कहासुनी के बाद पुलिस प्रशासन ने कराया अंतिम संस्कार

पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को देखते हुए प्रशासन को भी इस बारे में सूचना दी। एसडीएम सुनील कुमार सिंह ने घटना की जांच के लिए राजस्व टीम को मौके पर भेजा। परिवार के लोगों ने राजस्व टीम को कागजात दिखाए। साधु इस बारे में न तो समाधियों के बारे में जानकारी दे पाए और न ही कागजात दिखाए। पुलिस विरोध करने वाले साधुओं को थाने ले गई। इसके बाद परिवार के लोगों ने महिला का अंतिम संस्कार किया।

होटल के कमरे में युवक ने की आत्महत्या

यूनिक समय, मथुरा। थाना यमुनापार स्थित एक होटल में ठहरे एक युवक ने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कमरे से निकलवाया। पुलिस की फॉरेंसिक टीम ने भी घटना स्थल का निरीक्षण कर मृतक के कमरे से साक्ष्य एकत्रित किए।

थाना यमुनापार के पानी गांव इलाके में स्थित एक होटल में दो दिन पूर्व रूम लेकर ठहरे पटना बिहार के रहने वाले उदई कुमार पुत्र अर्जुन सिंह दिल्ली में किसी कंपनी में नौकरी करता था। बाताया गया कि वह दो दिन पूर्व थाना यमुनापार के पानीगांव स्थित एक होटल में आकर ठहरा था। बताया गया कि उसके कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो मैनजर ने वहां पहुंचकर देखा और इसके साथ ही पुलिस को भी सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। फॉरेंसिक टीम ने कमरे से कुछ नमूने भी लिए। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिवार के लोगों को भी जब इस बारे में पुलिस से सूचना मिली तो वे लोग भी पोस्टमार्टम ग्रह पर आ गए। युवक द्वारा किसी विषाक्त पदार्थ का सेवन किया गया बताया जा रहा है।

फॉरेंसिक टीम ने घटना स्थल का किया निरीक्षण

कांग्रेस पांच मई को स्मार्ट मीटर के खिलाफ करेगी प्रदर्शन

पार्टी कार्यालय पर मासिक बैठक करते कांग्रेस कार्यकर्ता।

यूनिक समय, मथुरा। जिला कांग्रेस कमेटी के सेठबाड़ा स्थित कार्यालय पर ललिता देवी की अध्यक्षता में मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा को लेकर पूर्व में किए गए कार्यक्रमों की समीक्षा कर आगामी कार्यक्रमों की रणनीति तैयार की गई।

बैठक में जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश धनगर ने कहा कि केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए सांप्रदायिकता को बढ़ावा दे रही है और धर्म के नाम पर राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब केवल बयानबाजी तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने में जुटी है। आने वाले दिनों में जनपद मथुरा की प्रत्येक विधानसभा और ब्लॉक स्तर पर जनसंवाद कार्यक्रम चलाया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार में किसान, मजदूर, दलित और महिलाओं का शोषण हो रहा है तथा महंगाई चरम पर है। गैस सिलेंडर की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है और बिजली विभाग द्वारा स्मार्ट मीटर के नाम पर आम जनता से अतिरिक्त वसूली की जा रही है। इसके विरोध में कांग्रेस 5 मई को धरना–प्रदर्शन करेगी।

बैठक में मनोज गौड़, आदित्य तिवारी, अर्पित जादौन, शाहिद, डॉ. प्रमोद शर्मा, गीता दिवाकर, शैलेंद्र चौधरी, दीपक दीक्षित, प्रेम शंकर शर्मा, महेश चौबे, बलवीर सिंह, द्वारका प्रसाद निषाद, अर्नव चौधरी, करन निषाद, पंकज चौधरी, आरती चौधरी, अनिल खरे सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मासिक बैठक में जनसंवाद अभियान की रूपरेखा तय

ससुराल से लौटे युवक की मौत

यूनिक समय, मथुरा। ससुराल से लौटा युवक घर आते ही अचेत हो गया। परिवार के लोग उसे इलाज के लिए अस्पातल ले गए। जहां इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। परिवार के लोगों का आरोप है कि युवक को उसके ससुरालीजनों ने उसे कोई विषाक्त पदार्थ का सेवन करा दिया जिसके चलते उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मौत का सही कारण जानने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना हाईवे के गांव जुनसुटी निवासी युवक पंकज शुक्ला (23) की शादी करीब डेढ़ साल पहले फरह के गांव बामौली में हुई थी। परिवार के लोगों का कहना है कि पंकज शुक्ला दो दिन पूर्व अपनी ससुराल गया था। वहां से लौटने के बाद जब वह घर आया तो वह चक्कर खाकर गिर गया। परिवार के लोग उसकी स्थिति को देख परेशान हो गए। तुरंत उसे अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने परिवार के लोगों को बताया कि उसने किसी विषाक्त का सेवन किया है।

इस बात को सुनकर परिवार के लोग सकते में आ गए। पंकज की इलाज के दौरान देर रात मौत हो गई। पुलिस को भी इस बारे में बताया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

डेढ़ साल पहले हुई थी युवक की शादी

परिवार ने विषाक्त पदार्थ का सेवन कराने का लगाया आरोप

हत्या के प्रयास में दो वंछित गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। गोविंदनगर पुलिस ने हत्या का प्रयास करने के मामले में वांछित चल रहे दो अभियुक्तों को गऊघाट के आरती स्थल के समीप से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक सूचना के आधार पर हत्या के प्रयास के मामले में वांछित चल रहे अभियुक्त शोएब उर्फ सोहिल निवासी अर्जुनपुरा व अरिफ निवासी निवासी संतदास वाली गली घीयामंडी थाना कोतवाली को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने हत्या के प्रयास में प्रयुक्त डंडा अदि बरामद किए हैं।

महिला की हत्या में दो गिरफ्तार डंडा व सरिया बरामद

यूनिक समय, मथुरा। गोविंदनगर पुलिस ने हत्या के मामले में वांछित चल रहे दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार 29 अप्रैल को एक महिला की हत्या करने के मामले में उसके बेटे ने थाना गोविंदनगर में मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले में वंछित चल रहे अभियुक्त गगन व आदित्य उर्फ गुलाब निवासी चुरियाना मौहल्ला भरतपुर गेट कोतवाली को एक सूचना के आधार पर चमली देवी कालेज तिरहा के समीप से गिरफ्तार किया है। पुलिस को इनके कब्जे से हत्या में प्रयुक्त किया गया सरिया और एक डंडा भी बरामद हुआ है।

मुख्यमंत्री ने छात्र गणेश को सम्मानित किया

यूनिक समय, मथुरा। श्रम दिवस पर राजधानी लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीबीएसई हाईस्कूल परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रदेश के अटल आवासीय विद्यालयों के मेधावी छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया। इसमें अटल आवासीय विद्यालय कौरई, किरावली जिला आगरा के छात्र गणेश की शामिल था। इसको भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सम्मानित किया। इस अवसर पर डिप्टी सीएम बृजेश पाठक व केशव प्रसाद मौर्य उपस्थित थे। छात्र गणेश ने सीबीएसई बोर्ड की 10वीं कक्षा की परीक्षा में 95.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सर्वोत्तम प्रदर्शन किया है। विदित रहे कि विकास खंड बल्देव के गांव हथौड़ा के निवासी हैं गणेश। उनके पिता धर्मपाल एक मजदूर और माता गृहणी हैं। गणेश की प्रारंभिक शिक्षा यूपीएस अमीरपुर स्कूल में हुई हैं। अमीरपुर विद्यालय की शिक्षिका गीता रावत ने गणेश की इस उपलब्धि पर हर्ष जताया है।

लखनऊ में आयोजित समारोह के दौरान छात्र गणेश को सम्मानित करते यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

फरह चौराहे पर टेंपो राज का है असर, पुलिस बेखबर

रविवार की सुबह करीब आठ बजे टेंपो खड़े होने से लगे जाम की वजह से फंसा ट्राला। सर्विस रोड पर टेंपो खड़े होने की वजह से अंडरपास के नीचे लगा जाम और फंसे वाहन।

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। कस्बा स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग के अंडरपास साफ होने के बाद भी चौराहा जाम से मुक्ति नहीं पा रहा है। टेंपो चालकों की मनमानी से राहगीर और विद्यार्थी अब भी जाम में फंसते हैं। सुबह सात बजे से टेंपों को आड़ा–तिरछा खड़ा करने से जाम की समस्या पैदा होती है। वैसे तो सर्विस मार्ग पर दिन में भी टेंपो संचालक जाम की वजह बनते हैं, शाम को तो यह जाम बेलगाम हो जाता है। ठेल भी जाम की समस्या पैदा करतीं हैं। ऐसे में यहां तैनात पुलिसकर्मियों का जलवा बेअसर दिखता है।

हर दिन सुबह से ही परखम मार्ग से जुड़े इस चौराहे पर जाम के

सुबह सात बजे से ही सर्विस रोड पर जाम की वजह बनते हैं टेंपो संचालक

चौराहे के आसपास खड़ी होने वाली ठेल भी बनती हैं जाम की वजह

हालात पैदा होने लगते हैं। पहले सवारियां बैठाने की जल्दबाजी में चालक अपने– अपने टेंपो को आड़े–तिरछे खड़े कर देते हैं, जिससे मथुरा की ओर के सर्विस रोड पर जाम लगता है। टेंपो संचालक मनमानी से राहगीर और विद्यार्थियों के अलावा दूसरे वाहनों के रास्ता निकलने में समस्या बनते हैं। रास्ता निकलने के लिए जब चिल्ल पौं मचती है, तब टेंपो चालक वाहनों को इधर– उधर करने लगते हैं। ऐसे हालात हर सुबह के नौ बजे और शाम पांच बजे से शाम सात बजे तक बनते हैं, जिससे हर कोई परेशान रहता है।

टेंपो संचालकों की इस मनमानी का खामियाजा एबुलेंस को भी झेलना पड़ता है। टेंपो चालकों के इस दबंगई के जाम में एबुलेंस भी फंस जाती है। ऐसे में अंडर पास के नीचे से बड़े वाहनों के निकलने में भी समस्या होती है। अंडरपास के बाहर दोनों ओर टेंपो खड़े होने से भी जाम के हालात पैदा होते हैं। सर्विस रोड और दीनदयाल रेलवे फाटक तक खड़ी ठेल भी जाम की समस्या को पैदा करती हैं।

चौराहे पर जाम न लगे, इसके लिए पीआरडी कर्मी तैनात किए जाते हैं, लेकिन यह पीआरडी कर्मी भी टेंपो चालकों की मनमानी के आगे बेवस नजर आते हैं। पल– पल में चैराहों को घेरने वाले टेंपो चालकों को हटाने के लिए पीआरडी कर्मी तैनात होने से हटने तक दौड़ भरते रहते हैं। लोगों का कहना है कि पुलिस को अंडरपास के 25 मीटर दूर टेंपो को खड़ा करने का स्थान नियत करना चाहिए, जिससे जाम नहीं लग सकेगा। जो टेंपो चालक मनमानी दिखाए, उसका चालान काटना चाहिए।

खेल, डांस और कुकिंग में माताओं ने दिखाया हुनर

कार्यक्रम में प्रतिभाग करतीं यूरोकिड्स कृष्णा नगर की महिलाएं।

यूरोकिड्स कृष्णा नगर ने मदर्स डे का उत्साहपूर्ण आयोजन किया

यूनिक समय, मथुरा। यूरोकिड्स कृष्णा नगर द्वारा मदर्स डे के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय होटल में किया गया। इस अवसर पर माताओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिताओं में शामिल होकर दिन का भरपूर आनंद उठाया।

कार्यक्रम में विभिन्न गेम, फायर लेस कुकिंग, डांस तथा अनेक रोचक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। तंबोला गेम्स भी विशेष आकर्षण का केंद्र रहे, जिनमें माताओं ने बढ़–चढ़कर सहभागिता की। संस्थान की निदेशक निधि शर्मा ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य माताओं को एक ऐसा मंच प्रदान करना है, जहां वे अपने भीतर छिपे हुनर को पहचान सकें और स्वयं के लिए कुछ विशेष समय निकाल सकें। कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों के रूप में शिप्रा राठी, डॉ. झूमी कुलश्रेष्ठ यादव, नीरू अग्रवाल, केशवी चहार, अंजलि खंडेलवाल एवं ममिता सिंह उपस्थित रहीं। उन्होंने प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन किया और कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

अंत में युरोकिड्स की निदेशक निधि शर्मा ने सभी मुख्य अतिथियों, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। इस सफल आयोजन में सभी शिक्षिकाओं– शालिनी, पूनम, रेनू, बबीता, भावना, ऋतु, लैंसी, कोमल, मनीषा एवं सृष्टि– तथा समस्त स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर विशेष

डिजिटल युग में सच और फेक न्यूज की जंग

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। आज मनाया जाने वाला विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस केवल एक औपचारिक दिवस नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा स्वतंत्र और निष्पक्ष पत्रकारिता का उत्सव है। धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान से समृद्ध मथुरा में भी इस दिन का महत्व अलग ही नजर आता है। यहां पत्रकारिता सिर्फ खबरों तक सीमित नहीं, बल्कि आस्था, परंपरा और जनसमस्याओं के बीच संतुलन बनाते हुए सच को सामने लाने का निरंतर प्रयास है।

मथुरा, जहां एक ओर श्रीकृष्ण जन्मभूमि की आस्था है, वहीं दूसरी ओर तेजी से बदलता शहरी ढांचा और बढ़ती जनसंख्या की चुनौतियां भी हैं। ऐसे में स्थानीय पत्रकारों की जिम्मेदारी और बढ़ गई है।

यहां के पत्रकार यमुना प्रदूषण, अवैध निर्माण, पर्यटन व्यवस्थाओं और धार्मिक आयोजनों से जुड़ी मूल समस्याओं को उजागर करते रहे हैं। हाल ही में यमुना हादसे और उसके बाद नाव संचालन पर रोक जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाकर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया गया। हालांकि, मथुरा जैसे संवेदनशील शहर में पत्रकारिता करना आसान नहीं है। कई बार राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक दबावों का सामना करना पड़ता है।

स्थानीय पत्रकारों की मानें तो सच्चाई दिखाने की कीमत कई बार

आलोचना और विरोध के रूप में चुकानी पड़ी है, लेकिन इसके बावजूद वे अपने कर्तव्य से पीछे नहीं हटे। पिछले कुछ वर्षों में मथुरा में डिजिटल मीडिया का प्रभाव तेजी से बढ़ा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए खबरें तेजी से फैलती हैं, लेकिन इसके साथ ही फेक न्यूज की चुनौती भी सामने आई है। ऐसे में जिम्मेदार पत्रकारिता और तथ्यों की पुष्टि पहले से ज्यादा जरूरी हो गई है। मथुरा में युवा पत्रकारों की एक नई पीढ़ी सामने आ रही है, जो तकनीक के साथ–साथ निष्पक्षता को प्राथमिकता दे रही है। ये युवा न केवल स्थानीय मुद्दों को उठा रहे हैं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि प्रेस की स्वतंत्रता के बिना लोकतंत्र अधूरा है। मथुरा में भी यह बात साफ नजर आती है कि जब–जब मीडिया ने अपनी भूमिका मजबूती से निभाई, तब–तब जनहित के मुद्दों पर सकारात्मक बदलाव देखने को मिला। विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर मथुरा के पत्रकारों ने एक बार फिर यह संकल्प लिया है कि वे हर हाल में सच के साथ

सच की आवाज और चुनौतियों के बीच पत्रकारिता का संघर्ष

खड़े रहेंगे। चुनौतियां चाहे जितनी भी हों, कलम की ताकत से समाज को जागरूक करना ही उनका लक्ष्य रहेगा।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष विनोद अग्रवाल का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्र के पत्रकारों को संघर्ष के साथ कवरेज करनी पड़ती है। प्रेस की स्वतंत्रता की बात करें तो अब पत्रकारों के स्वतंत्र होकर खबर लिखने पर तो ब्रेक सा लग गया है। सरकार को इसके लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।

पत्रकार राजेश गौतम का मानना है कि आज के दौर में पत्रकारिता आसान नहीं है, जान जोखिम में डालकर तथा कड़ी मेहनत करके पत्रकारिता की जा रही। आज डिजिटल का युग है, पत्रकार समाचार पत्र के लिए जब तक खबर लिखने की सोचते हैं तब तक वही खबर सोशल मीडिया पर प्रसारित हो जाती है, लेकिन फिर भी प्रातः सबसे पहले लोग अखबार ही पढ़ते हैं, ज्यादातर लोगों को अखबार में छपी खबर पढ़कर के ही संतुष्टि होती है।

पत्रकार गिरधारी लाल शर्मा का कहना है कि सच की कलम आज सबसे बड़ी परीक्षा में है, जहां खबर से ज्यादा नैरेटिव बिक रहा है। पत्रकारिता अब सूचना नहीं, बल्कि विश्वास बचाने की लड़ाई बन चुकी है। हालात यह हैं कि बड़े अधिकारी सीधे जवाब देने से बचते है। हर सवाल पर "डीएम साहब से जवाब ले लो" कहकर जिम्मेदारी टाल दी जाती है, और अलग–अलग पत्रकारों को अलग–अलग आंकड़े देकर सच्चाई को धुंधला किया जा रहा है। दबाव, प्रलोभन और फेक न्यूज के बीच सच लिखना ही सबसे बड़ा साहस है। अगर पत्रकार झुक गया तो लोकतंत्र भी टिक नहीं पाएगा।

मीडिया कर्मी राजू चौरसिया कहते हैं कि प्रेस की स्वतंत्रता पर बढ़ता दबाव चिंता का विषय बनता जा रहा है। कई अखबार अब सच छापने से हिचकते हैं, क्योंकि मीडिया का स्वरूप मिशन से बदलकर व्यवसाय बन गया है।

सरकार और राजनीतिक हस्तियों का बढ़ता दखल निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए गंभीर चुनौती खड़ी कर रहा है।

पत्रकार शुभम शर्मा का कहना है कि आज के दौर में पत्रकारिता केवल एक पेशा नहीं, बल्कि एक 'खतरनाक मिशन' बन गई है। सूचना क्रांति और डिजिटल युग ने जहाँ खबरें पहुँचाने की गति बढ़ा दी है, वहीं पत्रकारिता के बुनियादी सिद्धांतों–सत्य, निष्पक्षता और साहस–के लिए चुनौतियां भी कई गुना बढ़ गई हैं। अगर हम आज की पत्रकारिता की कठिनाइयों का विश्लेषण करें तो इसके कई गहरे और चिंताजनक पहलू सामने आते हैं।

मथुरा में नीट परीक्षा शांतिपूर्वक ढंग से सम्पन्न

3329 में से 3229 ने परीक्षा दी

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आज आयोजित नीट–यूजी परीक्षा जिले के छह परीक्षा केंद्रों पर संपन्न हुई। आंकड़ों के अनुसार जिले में 3329 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था। इनमें से 3229 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। 100 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। केंद्र वार आंकड़ों पर नजर डालें तो केंद्र संख्या 4413101 पर 600 में से 580, 4413102 पर 600 में से 584, 4413103 पर 600 में से 585 तथा 4413104 पर 600 में से 580 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। इसके अलावा केंद्र 4413105 पर 480 में से 459 और केंद्र 4413106 पर 449 में से 441 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। अनुपस्थिति के आंकड़ों में भी सीमित अंतर देखने को मिला। केंद्र 4413105 पर सर्वाधिक 21 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे, जबकि केंद्र 4413106 पर सबसे कम आठ परीक्षार्थी गैरहाजिर रहे। अन्य केंद्रों पर यह संख्या 15 से 20 के बीच दर्ज की गई।

कार्यालय नगर पंचायत बरसाना (मथुरा)

पत्रांक : 05/न०पं० बरसाना/2026-27 दिनांक: 02 मई, 2026

कार्यालय-ज्ञाप

नगर पंचायत बरसाना में राज्य वित आयोग एंव पेयजल योजना एंव मुख्यमंत्री नगर सृजन के अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्य हेतु ई–निविदायें आमंत्रित की गयी थी, जिसमे कार्य सं0 2024_DOLBU_891032_1 एंव 2025_DOLBU_1014204_1 एंव 2024_DOLBU_986857_1 अप्रहार कारणों से निरस्त की जाती हैं।

लिपिक/टैण्डर कमेटी सदस्य	अवर अभियन्ता	अधिशासी अधिकारी	अध्यक्ष
नगर पंचायत बरसाना मथुरा	मथुरा	नगर पंचायत बरसाना मथुरा	नगर पंचायत बरसाना मथुरा

नियमों का उल्लंघन कर वाहन चलाने वालों पर पुलिस ने कसा शिंकजा

बिना नंबर प्लेट के सड़क पर दौड़ते 115 वाहन सीज

जनपद भर में चलाया गया एक साथ चेकिंग अभियान

बड़ी संख्या में वाहनों के चालान कर वसूला शमन शुल्क

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में ट्रैफिक और नियमों का खुलेआम उल्लंघन कर सड़क पर फर्राटा भरने वासे वाहनों और नियमों की अनदेखी करने वाले वाहनों के खिलाफ एसएसपी के निर्देश पर जनपद भर में पुलिस ने एक साथ चेकिंग अभियान चलाया। इसके चलते सड़कों वाहन चलाने वालों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने बिना नंबर प्लेट के वाहन चलने वाले 115 वाहनों को सीज किया। इसके साथ ही बड़ी संख्या में वाहनों के चालान किए।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार के निर्देशन में कल जिले की सीमाओं, प्रमुख चौराहों, तिराहों के साथ अपराध प्रभावित इलाकों, सभी कस्बों, गांवों और एक्सप्रेसवे तक पुलिस ने एक साथ चेकिंग और पेट्रोलिंग अभियान चलाया। इस दौरान बिना नंबर प्लेट सड़कों पर फर्राटा भर रहे वाहन बिना हेलमेट और सीट बेल्ट लगा कर चल रहे वाहन चालकों के खिलाफ एक साथ अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले चालक, रॉन्ग साइड चलकर दूसरों की जान को जोखिम में डालने वाले वाहन चालकों पर शिकंजा कसा। इसके साथ ही अवैध पार्किंग से यातायात बाधित करने वालों पर भी पुलिस ने बिना समय गंवाए कार्रवाई की। सड़क पर बिना नंबर प्लेट लगे वाहन चलाने वाले 115 वाहनों को सीज किया। इसके साथ ही बड़ी संख्या में वाहनों के चालान किए।

अभियान से अधिकारियों का साफ संदेश है कि अब सड़कों पर वाहन चलाने वालों की लापरवाही और मनमानी बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नियम तोड़ने वालों के खिलाफ ऐसे अभियान आगे भी लगातार और ज्यादा सख्ती के साथ जारी रहेंगे।

हत्या के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोविन्दनगर पुलिस ने हत्या के मामले में वांछित दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। दो अप्रैल को चमेली देवी इंटर कॉलेज तिराहा से गऊघाट की ओर से गगन पुत्र स्व. अजय व आदित्य उर्फ गुलाव पुत्र रवि को पकड़ा गया। दोनों मूल निवासी चुरियाना मोहल्ला, भरतपुर गेट थाना कोतवाली के हैं और वर्तमान में मोक्षधाम कॉलोनी, गोविन्दनगर में रह रहे थे। 29 अप्रैल को वादी ने अपनी मां की हत्या के संबंध में मुकदमा दर्ज कराया था।

तापमान / मौसम

40 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

27 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,51,570

22 कैरेट 1,39,444

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,50,780 प्रति किलो

हरिनाम संकीर्तन के साथ राधारानी पहुंची पदयात्रा

राधारानी मंदिर पहुंची पदयात्रा में शामिल भक्त।

यूनिक समय, राया (मथुरा)। श्री राधारानी सेवा समिति के तत्वावधान में निकलने वाली 123 वी मासिक पदयात्रा रविवार को भक्तिभाव के साथ निकाली गयी। जगह जगह यात्रा का लोगों ने स्वागत किया। पदयात्रा प्रातः रेतिया बाजार ठाकुर राधागोपाल मंदिर से पूजा-अर्चना के साथ प्रारंभ होकर हरिनाम संकीर्तन करते मांट मार्ग होते हुए खादर स्थित मानसरोवर धाम राधारानी मंदिर पहुंची। श्रद्धालुओं ने मानसरोवर की परिक्रमा कर राधारानी के दर्शन कर पुण्यलाभ अर्जित किया। इस अवसर पर पवन कुमार गोयल एडवोकेट, मुकेश अग्रवाल, सुनील कुमार, कैलाश अग्रवाल, मोहित अग्रवाल, रजनी अग्रवाल, गीता अग्रवाल तथा प्रीति अग्रवाल शिखा आदि मौजूद थे।

सुरीर लूटकांड में 10 दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली

एसएसपी ने सुरीर थाने पहुंचकर इस बारे में ली जानकारी

पुलिस को दिए निर्देश

यूनिक समय मथुरा। थाना सुरीर के टैंटीगांव में व्यापारी से लूट की घटना का 10 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस आज तक लुटेरों का पता लगाने में पुलिस को सफलता हाथ नहीं लगी है। हलांकि पुलिस की एक दर्जन से अधिक टीमें अपराधियों को पकड़ने में लगी हैं।

टैंटीगांव निवासी व्यापारी के मकान पर आधा दर्जन सशस्त्र बदमाशों द्वारा धावा बोलकर 23 अप्रैल को लाखों रुपये की लूट की थी। लूटेरों ने व्यापारी के परिवार को चारपाइयों पर ही बांध दिया था। लूट की घटना में शामिल बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की एक दर्जन से अधिक टीमों को लगाया गया है। पुलिस की टीम अपराधियों का सुराग लगाने के लिए आस-पास के जनपदों में डेरा डाले हुए है। इसके साथ ही लोकल मुखबिरों की सहायता भी पुलिस द्वारा ली जा रही है। दर्जनों अपराधियों को हिरासत में लेकर पुलिस लगातार पूछताछ कर रही है। इसके बाद भी पुलिस को बदमाशों के बारे कोई खास सुराग नहीं लग सका है। सीओ और एडीशनल एसपी भी इस बारे में लगातार मॉनिट्रिंग कर रहे हैं। इस सिल सिले में आज एसएसपी श्लोक कुमार ने थाना सुरीर पहुंचे और उन्होंने घटना के बारे में और तेजी लाने के निर्देश दिए। पुलिस द्वारा दस दिन बाद भी बदमाशों के बारे में कोई ठोस सुराग ना लगने की एक वजह यह भी हो सकती है कि लूट पाट की वारदात को अंजाम देने वाले बदमाश आस-पास के जनपदों के न होकर कहीं बाहर के हो सकते हैं। लूट की वारदात को करने के बाद लंबे निकल सकते हैं।

कद्दू के बीज शरीर के किस अंग के लिए फायदेमंद होते हैं!

यूनिक समय, मथुरा। आजकल ड्राई फ्रूट्स के अलावा सीड्स खाने का चलन तेजी से बढ़ रहा है। कई ऐसे सीड्स में जो शरीर को भरपूर विटामिन और दूसरे पोषक तत्व देते हैं। जानिए कद्दू के बीज किस अंग के लिए फायदेमंद होते हैं?

कद्दू के बीज सेहत के लिए सुपरफूड का काम करते हैं। कद्दू में निकलने वाले बीजों को धोकर सुखाकर उनके अंदर से बीज निकाले जाते हैं। आप घर पर खाए जाने वाले कद्दू के बीजों का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। वैसे बाजार में आसानी से कद्दू के बीज मिल जाते हैं। पंपकिन सीड्स के फायदे इतने हैं कि आप इन्हें अपनी डाइट में जरूर शामिल करेंगे। कद्दू के बीज जिंक, ओमेगा–3 फैटी एसिड, मैग्नीशियम और अमीनो एसिड का अच्छा सोर्स होते हैं।

आप इन्हें ऐसे ही रोस्ट करके या कच्चा भी खा सकते हैं। किसी दूसरी चीज में जैसे दलिया, ओट्स या सलाद

के ऊपर डालकर भी सेवन कर सकते हैं। आइये जानते हैं कद्दू के बीज शरीर के किस अंगर के लिए फायदेमंद साबित होते हैं?

कद्दू के बीज किसी एक अंग नहीं बल्कि हमारी ओवरऑल हेल्थ के लिए अच्छे माने जाते हैं। अगर इसके अंदर पाए जाने वाले पोषकतत्वों के हिसाब से बात करें तो कद्दू के बीज दिमाग के लिए, बेहतर नींद के लिए, अच्छी हार्ट हेल्थ के लिए, पाचन के लिए और ब्लड शुगर को कम करने के लिए बेहतरीन हैं।

अगर आपको नींद की समस्या है तो डाइट में कद्दू के बीज जरूर शामिल कर लें। कद्दू के बीज में ट्रिप्टोफैन नामक अमीनो एसिड पाया जाता है जो मेलाटोनिन हार्मोन को बढ़ाता है और अच्छी नींद आने में मदद करता है।

कद्दू के बीज को हार्ट के लिए भी बहुत अच्छा माना जाता है। पंपकिन सीड्स में ओमेगा–3 और ओमेगा–6 फैटी एसिड पाया जाता है। मैग्नीशियम और जिंक होने की वजह से दिल की सेहत में सुधार आता है। कद्दू के बीज खाने से बीपी भी कंट्रोल रहता है। कद्दू के बीज इम्यूनिटी बढ़ाने में भी असरदार साबित होते हैं। इससे शरीर को हल्दी फैट, प्रोटीन और जरूर विटामिन–मिनरल मिलते हैं। जिंक और एंटीऑक्सीडेंट्स होने की वजह से कद्दू के बीज सीजनल बीमारियों को दूर रखते हैं।

पेट और पाचन के लिए भी कद्दू के बीज फायदेमंद होते हैं। फाइबर से भरपूर होने की वजह से कद्दू के बीज पाचन तंत्र को मजबूत बनाते हैं। इससे कब्ज की समस्या दूर होती है और पेट साफ रहता है।

कद्दू के बीज शुगर के मरीज के लिए भी अच्छे माने जाते हैं। इन्हें खाने से ब्लड शुगर कंट्रोल करने में मदद मिलती है और इंसुलिन लेवल में सुधार आता है। कद्दू के बीज टाइप–2 डायबिटीज के रिस्क को कम करते हैं।

रिश्तों में बढ़ती दूरियों के पीछे ये गलतियां हो सकती हैं जिम्मेदार

यूनिक समय, नई दिल्ली। क्या आपके और आपके पार्टनर के बीच में भी दूरियां पैदा होने लगी हैं? अगर हां, तो आपको कुछ बातों पर समय रहते गौर कर लेना चाहिए वरना आपको बाद में पछताना पड़ सकता है।

किसी भी रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए दोनों ही पार्टनर्स का एफर्ट डालना बेहद जरूरी होता है। कभी–कभी एक पार्टनर रिश्ते पर ध्यान देना बंद कर देता है और तभी से रिलेशनशिप के बिगड़ने की शुरुआत हो जाती है। अगर आपको भी अपने और अपने पार्टनर के बीच में दूरियों का एहसास होने लगा है, तो हो सकता है आप या फिर आपका पार्टनर इस तरह की कॉमन गलतियां कर रहे हों।

क्या आपका पार्टनर आपसे बात करता रहता है और आप उसकी बात पर ध्यान ही नहीं देते हैं? अगर हां, तो आपकी इस आदत की वजह से आपके रिश्ते की सेहत बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है। अगर आप अपने पार्टनर के साथ अपने बॉन्ड को मजबूत बनाना चाहते हैं, तो आपको न केवल अपने पार्टनर की बातों को ध्यान से सुनना चाहिए बल्कि उनकी कही गई बातों के पीछे का मतलब समझने की कोशिश भी करनी चाहिए।

क्या आप भी अपनी ईगो को अपने रिश्ते से आगे रखते हैं? अगर हां, तो आज नहीं तो कल आपके रिश्ते का टूटना तय है। कभी न झुकने की आदत आपके रिश्ते को मजबूत नहीं बनने देगी। रिश्ते में समझौते करना बेहद जरूरी होता है। कभी खुद झुक जाना, कभी अपने पार्टनर के झुकने पर उसको माफ कर देना, इस तरह से ही रिश्ते की गाड़ी बिना खराब हुए लंबे समय तक पटरी पर चल पाती है।

अगर आप अपने पार्टनर पर बेवजह शक करते हैं, तो आपके और आपके पार्टनर के बीच में कभी न मिट पाने वाली दूरियां पैदा हो सकती हैं। शक आपके रिश्ते को खोखला कर सकता है। बिना भरोसे के कोई भी रिश्ता लंबे समय तक नहीं टिक सकता। अगर आप अपने पार्टनर के साथ मजबूत बॉन्ड बनाना चाहते हैं, तो आपको अपनी इस आदत को जल्द से जल्द सुधारने की कोशिश करनी चाहिए।

ऐसे बनाएं भरवां टमाटर की सब्जी

इतनी टेस्टी कि उंगलियां चाटते रह जाएंगे

यूनिक समय, नई दिल्ली। क्या आपने कभी भरवां टमाटर की सब्जी ट्राई की है? अगर नहीं, तो आपको बेहद टेस्टी और आसानी से बन जाने वाली इस रेसिपी को कम से कम एक बार जरूर ट्राई करके देखना चाहिए।

भरवां टमाटर की सब्जी बनाने के लिए आपको 6 मीडियम साइज्ड गोल और थोड़े सख्त टमाटर, 100 ग्राम कद्दूकस किया हुआ पनीर, 2 मीडियम साइज्ड बॉइल्ड और मैश्ड आलू, एक बारीक कटा हुआ प्याज, दो बारीक कटी हुई हरी मिर्च, एक स्पून अदरक और लहसुन का पेस्ट, बारीक कटा हुआ फ्रेश धनिया, हाफ स्पून गरम मसाला, हाफ स्पून लाल मिर्च पाउडर, एक स्पून धनिया पाउडर, एक–चौथाई स्पून हल्दी पाउडर, हाफ स्पून अमचूर पाउडर, नमक और तेल की जरूरत पड़ेगी।

बनाने की विधि : भरवां टमाटर की सब्जी बनाने के लिए टमाटर को धोकर उनके ऊपर वाले हिस्से को काट लीजिए। इसके बाद सावधानी से एक छोटी स्पून से टमाटर के अंदर के गूदे को निकाल लीजिए।

अब पैन में तेल को गर्म कर इसमें बारीक कटा हुआ प्याज डालकर इसे गोल्डन होने तक भून लीजिए। इसके बाद इसी पैन में अदरक और लहसुन का पेस्ट और हरी मिर्च एड कर कुछ सेकेंड के लिए भून लीजिए।

अब आपको पैन में हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर और लाल मिर्च पाउडर डालकर इस मिक्सचर को भून लेना है। इसके बाद मैश्ड आलू और कद्दूकस किए हुए पनीर को भी इस मिक्सचर में मिला लीजिए। अब इस मिक्सचर में गरम मसाला, अमचूर पाउडर और नमक भी एड कर लीजिए।

इस मिक्सचर को 2 मिनट तक कुक करने के बाद इसमें बारीक कटा हुआ हरा धनिया एड कर गैस बंद कर दीजिए।अब आपको बहुत ध्यान से इस स्टफिंग को टमाटर के अंदर भरना है। स्टफिंग बहुत ज्यादा नहीं होनी चाहिए वरना टमाटर फट भी सकता है। अब कड़ाही में तेल गर्म कर स्टफ्ड टमाटर को धीमी आंच पर गोल्डन होने तक भून लीजिए। अगर आप चाहें तो इन्हें ढककर भी कुक कर सकते हैं। अगर आपको ग्रेवी वाली सब्जी खानी है, तो आप बचे हुए टमाटर के गूदे को अच्छी तरह से पीसकर प्यूरी बना सकते हैं। पैन में तेल गर्म कर प्याज–लहसुन के पेस्ट को भून लें और फिर टमाटर की प्यूरी और अपने पसंदीदा मसाले डालकर ग्रेवी तैयार कर लें। जब ग्रेवी गाढ़ी हो जाए, तब आप स्टफ्ड टमाटर को ग्रेवी में डालकर लगभग 5 मिनट तक धीमी आंच पर कुक कर सकते हैं। आप रोटी या फिर चावल के साथ भरवां टमाटर की सब्जी का लुत्फ उठा सकते हैं।

कर्नाटक की यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग, आप भी जरूर जाएं घूमने

यूनिक समय, मथुरा। कर्नाटक में अन्य और भी कई शानदार और अद्भुत जगहें मौजूद हैं। जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। कर्नाटक की हसीन वादियों में मौजूद अंगुबे एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को पता है।

दक्षिण भारत देश का खूबसूरत और प्रमुख हिस्सा माना जाता है। दक्षिण भारत में कर्नाटक एक ऐसा राज्य है, जिसको पर्यटन का मुख्य केंद्र माना जाता है। यह एक ऐसा राज्य है, जहां पर हर दिन हजारों की संख्या में देशी और विदेशी पर्यटक घूमने और मौज–मस्ती के लिए आते हैं। कर्नाटक में गोकर्ण, कूर्ग, बेंगलुरु, हम्पी और मैसूर जैसी फेमस जगहों पर घूमने के लिए सबसे ज्यादा संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं।

हालांकि इन जगहों की खूबसूरती पर्यटकों को बहुत आकर्षित करती है, लेकिन कर्नाटक में अन्य और भी कई शानदार और अद्भुत जगहें मौजूद हैं। जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। कर्नाटक की हसीन वादियों में मौजूद अंगुबे एक ऐसी जगह है, जिसके बारे

में बहुत कम लोगों को पता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको अंगुबे की खासियत के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्हें आपको जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

अंगुबे : बता दें कि यह खूबसूरत और मनमोहक हिल स्टेशन कर्नाटक के शिमोगा जिले में पड़ता है। अंगुबे को एक बेहद खूबसूरत गांव के साथ ही यहां का शानदार और छिपा हुआ खजाना भी माना जाता है।

अंगुबे कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से करीब 345 किमी दूर स्थित है। वहीं यह उडुपी से करीब 60 किमी दूर, मंगलूरू से 100 किमी और कर्नाटक के चिकमंगलूर से करीब 112 किमी की दूरी पर मौजूद है।

अंगुबे की खासियत : अंगुबे में ऐसी अनगिनत खासियत है, जो पर्टयकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यह समुद्र तल से करीब 2 हजार से अधिक फीट की उंचाई पर स्थित अंगुबे को कर्नाटक का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। वहीं यह कर्नाटक का सबसे हसीन और खूबसूरत हिल स्टेशन्स में से एक माना जाता है। अंगुबे न सिर्फ अपनी खूबसूरती बल्कि शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। इसलिए इसको प्रकृति प्रेमियों के लिए जन्नत भी माना जाता है। अंगुबे को कर्नाटक का चेरापूंजी भी कहा जाता है। क्योंकि यहां पर खूब बारिश होती है। इस हिल स्टेशन की खूबसूरती के आगे हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड भी फीके लगते हैं। सैलानियों के लिए अंगुबे बेहद ही खास और अद्भुत पर्यटन स्थल है। यह जगह उन लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है, जो प्रकृति से प्रेम करते हैं। यह अपने शांत वातावरण के लिए भी जाना जाता है। अंगुबे हिल स्टेशन न सिर्फ अपनी खूबसूरती बल्कि एडवेंचर के लिए भी जाना जाता है। कई पर्यटक यहां पर हाईकिंग, ट्रैकिंग और कैंपिंग का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। यहां पर स्थित सबसे उंची बिंदु से फोटोग्राफी करना हर किसी का सपना होता है।

अगुंबे सनसेट पॉइंट : जब भी अंगुबे में किसी शानदार जगह घूमने की बात होती है, तो सबसे पहले अंगुबे सनसेट पॉइंट की बात होती है। यह सबसे लोकप्रिय पॉइंट है, जहां से पूरे शहर का खूबसूरत नजारा दिखाई देता है। वहीं यहां से सनसेट और सनराइज का नजारा काफी मनमोहक होता है।

जोगीगुंडी फॉल्स : अंगुबे में स्थित यह जगह जोगीगुंडी फॉल्स बेहद शानदार और अद्भुत खजाने से कम नहीं है। हर दिन दर्जन से अधिक पर्यटकों को यह खूबसूरत वॉटरफॉल आकर्षित करता है। इस वॉटरफॉल के आसपास काफी हरियाली है। बताया जाता है कि इसका पानी एक गुफा से निकलता है और मानसून का समय यहां पर घूमने के लिए सबसे बेस्ट है।

सुविचार

हालात मुश्किल होने पर भी सकारात्मक रहें।

कल का पंचांग

तिथि	तृतीया	03:02-05:24 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	ज्येष्ठा	09:57-12:54 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:42 AM	चन्द्रोदय	09:32 PM
सूर्यास्त		6:50 PM	चंद्रास्त	07:45 AM
सूर्य राशि		मेष राशि	चंद्र	वृश्चिक राशि
शुभ मुहूर्त		11:49AM -12:42 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:05-04:53
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		07:20 PM: 08:59 PM	वार	सोमवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

होली लीला में इत्र बना भक्ति का प्रसाद

भक्त की भक्ति ने बदल दी इत्र की राह

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन की गलियों में भक्ति और चमत्कार की कहानियां अक्सर सुनने को मिलती हैं, लेकिन एक प्रसंग ऐसा है जो श्रद्धा की शक्ति को अलग ही रूप में सामने लाता है। बताया जाता है कि एक दिन एक धनी व्यापारी दूर–दूर से यात्रा कर भगवान बांके बिहारी के दर्शन के लिए आया। वह अपने साथ एक बेहद महंगा और खास तौर पर तैयार कराया गया इत्र भी लाया था, जिसे वह भगवान को अर्पित करना चाहता था।

जब व्यापारी मंदिर पहुंचा, तब उसे बताया गया कि दर्शन का समय समाप्त

वृंदावन पहुंचा व्यापारी लेकर खास महंगा इत्र

मंदिर के बंद पटों ने तोड़ी उसकी आशा

वृक्ष तले ध्यानमग्न मिले संत हरिदास जी

भूमि पर उड़ेला इत्र व्यापारी रह गया हैरान

हो चुका है और भगवान को भोग लगाया जा रहा है। मंदिर के नियमों के कारण उसे इंतजार करने के लिए कहा गया, लेकिन व्यापारी के पास समय नहीं था, क्योंकि उसे उसी शाम वापस लौटना था। निराश होकर वह मंदिर से बाहर निकल आया। मंदिर के बाहर ही एक वृक्ष के नीचे एक संत ध्यान में लीन बैठे थे। लोगों ने बताया कि वे संत हरिदास जी हैं, जो भगवान के परम भक्त माने जाते हैं। व्यापारी उनके पास गया और विनम्रता से कहा कि वह इत्र भगवान के लिए लाया है, कृपया इसे उनके चरणों में अर्पित कर दें। हरिदास जी ने बिना आंखें खोले इत्र को अपने हाथ में लिया। व्यापारी के सामने ही उन्होंने इत्र की शीशी खोली और उसे पूरी तरह भूमि पर उंडेल दिया। यह देखकर व्यापारी चकित रह गया, लेकिन कुछ कह नहीं पाया। वह मन ही मन निराश होकर वहीं बैठा रहा। कुछ समय बाद मंदिर से खबर आई कि भगवान बांके बिहारी की प्रतिमा से अद्भुत सुगंध आ रही है। जब मंदिर के पट खुले और पुजारियों ने भगवान का श्रृंगार किया, तो वही सुगंध पूरे परिसर में फैल गई।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

व्यापारी ने जब भगवान के चरणों को स्पर्श किया, तो उसे वही इत्र महसूस हुआ, जिसे उसने हरिदास जी को दिया था।

आश्चर्यचकित व्यापारी तुरंत हरिदास जी के पास पहुंचा और उनसे इस रहस्य के बारे में पूछा। तब हरिदास जी ने शांत स्वर में बताया कि जब व्यापारी आया था, उस समय भगवान की लीला चल रही थी–होली का उत्सव। ध्यान में उन्होंने देखा कि राधा जी के रंग का पात्र खाली हो गया है, जबकि कृष्ण का पात्र भरा हुआ है। उसी समय उन्होंने व्यापारी के इत्र को उस रंग में मिला दिया, जिससे राधा जी ने वही सुगंध भगवान पर अर्पित की।

यह कथा केवल चमत्कार की नहीं, बल्कि सच्ची भक्ति और समर्पण की मिसाल है, जहां भावना किसी भी भौतिक वस्तु से अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

कल का दिन सभी राशियों के लिए अलग–अलग संकेत लेकर आया है। कुछ लोगों को आर्थिक राहत मिल सकती है, तो कुछ को सावधानी बरतने की जरूरत है। मेष राशि के जातकों के लिए दिन राहत भरा रह सकता है। पुरानी निवेश से धन वापसी होने के संकेत हैं, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और कर्ज चुकाने में मदद मिलेगी। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर भी मिलेगा।

मेष: पुरानी निवेश से धन लाभ होगा, जिससे आर्थिक स्थिति सुधरेगी। परिवार के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा, मन प्रसन्न रहेगा।

वृषभ : जीवनसाथी को आपकी कोई गलती पता चल सकती है, तनाव बढ़ेगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा और नकारात्मक विचार हावी रहेंगे।

मिथुन: घर के पुराने विवाद फिर उभर सकते हैं, माहौल तनावपूर्ण रहेगा।
चोट लगने की संभावना है, साथ ही आर्थिक स्थिति कमजोर होगी।

कर्क: प्रेम जीवन में नया मोड़ आ सकता है, कोई इजहार करेगा।
काम का दबाव बढ़ेगा, थकान और चिड़चिड़ापन महसूस होगा।

सिंह : दोस्तों के साथ घूमने का अवसर मिलेगा, दिन आनंददायक रहेगा।
पैसों की कमी नहीं होगी और स्वास्थ्य सामान्य बना रहेगा।

कन्या: शुभ समाचार से दिन की शुरुआत होगी, उत्साह बना रहेगा।
काम समय पर पूरे होंगे और घर में मांगलिक योजना बनेगी।

तुला: जिसे पसंद करते हैं, वह अपने दिल की बात कह सकता है।
छात्रों को पढ़ाई में अपेक्षित सफलता न मिलने से चिंता होगी।

वृश्चिक: दोस्तों के साथ समय बिताकर मानसिक राहत मिलेगी।
लोन की किस्त चुकाने में परेशानी आ सकती है, सावधान रहें।

धनु : कोई इच्छा पूरी होगी, लेकिन भागदौड़ अधिक करनी पड़ेगी।
पड़ोसियों से विवाद होने की संभावना है, संयम रखें।

मकर : अचानक शादी का प्रस्ताव मिल सकता है, खुशी बढ़ेगी।
धन कमाने के प्रयास सफल होंगे और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

कुंभ : परिवार, खासकर पिता–पुत्र के रिश्ते मजबूत होंगे।
नई यादें बनेंगी और आर्थिक चिंता कम रहेगी।

मीन : लंबी यात्रा का योग है, जो सुखद अनुभव देगी।
घर की समस्याओं का समाधान मिलेगा और काम समय पर होंगे।

भक्ति की चादर से दूर हुई ठाकुर जी की ठंड

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन से जुड़ी एक रोचक कथा सच्ची भक्ति की शक्ति को उजागर करती है। बताया जाता है कि एक रात शयन के बाद गोसाई जी विश्राम के लिए चले गए। सुबह मंगला आरती के समय जब वे ठाकुर जी को जगाने पहुंचे, तो उन्होंने एक अजीब दृश्य देखा। ठाकुर जी ठंड से बुरी तरह कांप रहे थे, उनके दांत किटकिटा रहे थे और पूरा शरीर थरथरा रहा था। गोसाई जी घबरा गए। उन्होंने तुरंत कई गुदड़ियां और मोटी रजाइयां ओढ़ाईं, यहां तक कि अंगीठियां जलाकर ठाकुर जी को गर्म रखने का प्रयास किया। लेकिन आश्चर्य की बात यह रही कि इतना सब करने के बाद भी ठंड कम नहीं हुई। ठाकुर जी का शरीर मानो बर्फ जैसा ठंडा लग रहा था।

चिंता में डूबे गोसाई जी को अचानक ध्यान आया कि शायद किसी भक्त की भेंट अभी तक ठाकुर जी को अर्पित नहीं की गई है। उन्होंने तुरंत सेवकों से पूछताछ की। तब पता चला कि एक साधारण, पतली सी चादर किनारे रखी हुई है, जिसे अब तक उपयोग में नहीं लिया गया।

जैसे ही वह साधारण चादर ठाकुर जी को ओढ़ाई गई, तुरंत ही स्थिति बदल गई। ठाकुर जी ने कहा कि अब उन्हें बहुत गर्मी लग रही है और अंगीठियां हटा दी जाएं। यह देखकर सभी चकित रह गए।

यह कथा सिखाती है कि भगवान के लिए वस्तु का मूल्य नहीं, बल्कि भक्त का सच्चा भाव सबसे अधिक महत्वपूर्ण होता है।

पुरानी टी–शर्ट से पोछा लगाना बन सकता है नुकसानदेह

यूनिक समय, मथुरा। घर की साफ–सफाई हर परिवार की रोजमर्रा की जरूरत है, लेकिन कई बार छोटी–छोटी आदतें अनजाने में घर के माहौल को प्रभावित कर देती हैं। ऐसी ही एक आम आदत है–पुरानी टीशर्ट या फटे कपड़ों से पोछा लगाना। पहली नजर में यह तरीका उपयोगी और किफायती लगता है, लेकिन अगर कपड़ा सही हालत में न हो, तो यह परेशानी बढ़ा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, पुराने कपड़ों का इस्तेमाल पूरी तरह गलत नहीं है, लेकिन यह ध्यान रखना जरूरी है कि कपड़ा साफ, मजबूत और बिना बदबू वाला हो। फटे, अत्यधिक मैले या लंबे समय से इस्तेमाल हो रहे कपड़े न केवल सफाई की गुणवत्ता को कम करते हैं, बल्कि घर में गंदगी फैलाने का कारण भी बन सकते हैं। ऐसे कपड़े फर्श को ठीक से साफ नहीं

कर पाते और कई बार बैक्टीरिया को फैलाते हैं, जिससे घर का वातावरण अस्वस्थ हो सकता है। कुछ मान्यताओं के अनुसार, घर की सफाई का संबंध मानसिक और भावनात्मक माहौल से भी जुड़ा होता है। जब घर साफ और व्यवस्थित रहता है, तो मन में भी हल्कापन और शांति महसूस होती है। इसके विपरीत, गंदे या बदबूदार कपड़ों से सफाई करने पर ताजगी का अनुभव नहीं होता और घर में भारीपन महसूस हो सकता है। हालांकि ये बातें वैज्ञानिक रूप से पूरी तरह सिद्ध नहीं हैं, लेकिन साफ–सफाई के व्यावहारिक पहलुओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह भी देखा गया है कि कई लोग एक ही कपड़े को लंबे समय तक पोछे के रूप में इस्तेमाल करते रहते हैं। इससे कपड़े में गंदगी जमा हो जाती है, जो सफाई के दौरान दोबारा फर्श पर फैलती है। इसलिए समय–समय पर कपड़ा बदलना और उसे धोकर ही इस्तेमाल करना जरूरी है। सफाई का सही तरीका यह है कि पोछे के लिए माइक्रोफाइबर या मोटे सूती कपड़े का उपयोग किया जाए, जो गंदगी को बेहतर तरीके से सोख सके। हफ्ते में एक–दो बार पोछे के पानी में थोड़ा नमक या कीटाणुनाशक मिलाने से सफाई और प्रभावी हो सकती है। साथ ही, सुबह के समय सफाई करने से घर में ताजगी और सकारात्मक माहौल बना रहता है। इस बात का भी ध्यान रखें कि पूजा या विशेष अवसरों में पहने गए कपड़ों का उपयोग पोछे के रूप में न करें। यह स्वच्छता के साथ–साथ भावनात्मक दृष्टि से भी उचित नहीं माना जाता। कुल मिलाकर, घर की सफाई केवल धूल हटाने का काम नहीं, बल्कि स्वस्थ और सुखद वातावरण बनाए रखने का एक तरीका है। यदि आप पुराने कपड़ों से पोछा लगाते हैं, तो उनकी गुणवत्ता और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें। छोटी–सी सावधानी आपके घर को अधिक साफ, सुरक्षित और आरामदायक बना सकती है।

सम्पादकीय

मथुरा-आगरा से सशक्त होती सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था

भारत की सांस्कृतिक विरासत केवल इतिहास की धरोहर नहीं, बल्कि आज के समय में एक मजबूत आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रही है। इसे अब केवल कला और परंपरा तक सीमित न मानकर "सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था" के रूप में देखा जा रहा है, जो देश की सॉफ्ट पावर को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दे रही है। इस बदलाव में मथुरा और आगरा जैसे ऐतिहासिक शहर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

मथुरा, भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि, सदियों से आस्था और संस्कृति का केंद्र रहा है। लेकिन अब यह केवल धार्मिक पर्यटन तक सीमित नहीं है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार भी बन चुका है। यहां आने वाले पर्यटक मंदिरों के साथ-साथ पारंपरिक हस्तशिल्प, स्थानीय भोजन और सांस्कृतिक आयोजनों से जुड़ते हैं, जिससे स्थानीय कलाकारों और छोटे व्यवसायों को रोजगार मिलता है।

पवन गौतम
संपादक

इसी तरह आगरा, ताजमहल के कारण विश्वभर में प्रसिद्ध है, लेकिन अब यहां की मुगलकालीन कला, हस्तशिल्प, चमड़ा उद्योग और पारंपरिक बाजार भी सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था को गति दे रहे हैं। पर्यटन केवल स्मारकों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह स्थानीय जीवन और रोजगार से जुड़ गया है।

भारत में सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत इसकी विविधता है। यह केवल महानगरों तक सीमित नहीं है, बल्कि छोटे शहर और कस्बे भी इसमें योगदान दे रहे हैं। इससे स्थानीय कलाकारों, कारीगरों और सेवा क्षेत्र से जुड़े लोगों को नई संभावनाएं मिल रही हैं।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

आज यह समझ बढ़ रही है कि संस्कृति केवल पहचान नहीं, बल्कि आर्थिक विकास का साधन भी है। यदि मथुरा और आगरा जैसे शहरों में पर्यटन, बुनियादी ढांचे और सुविधाओं को मजबूत किया जाए, तो यह क्षेत्र और अधिक रोजगार पैदा कर सकता है।

सांस्कृतिक पर्यटन न केवल अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है, बल्कि समाज को अपनी जड़ों से भी जोड़ता है। यह स्थानीय परंपराओं, कला और हस्तशिल्प को संरक्षित रखते हुए उन्हें वैश्विक बाजार तक पहुंचाने का अवसर देता है।

अंततः, मथुरा और आगरा यह संदेश देते हैं कि भारत की सांस्कृतिक शक्ति ही उसकी आर्थिक शक्ति बन सकती है। आवश्यकता इस बात की है कि इस विरासत को संरक्षण के साथ-साथ विकास और रोजगार के अवसरों से जोड़ा जाए, ताकि सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था देश की प्रगति का एक मजबूत स्तंभ बन सके।

नजरिया

दिमाग पढ़ने की तकनीक और निजता पर मंडराता नया संकट

बोध प्रकाश सगुणी

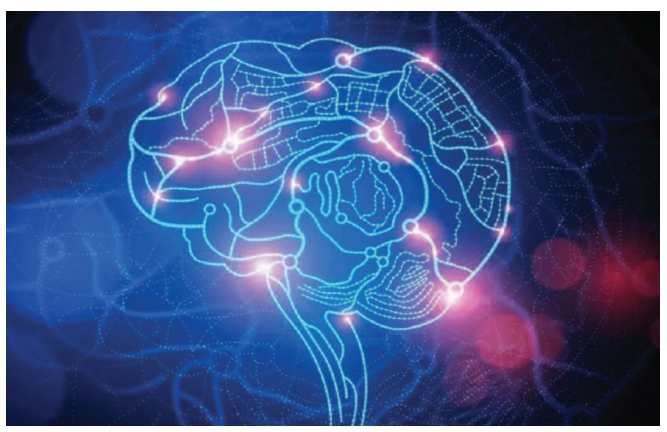

आज विज्ञान जिस गति से आगे बढ़ रहा है, वह मानव सभ्यता की कल्पनाओं को वास्तविकता में बदल रहा है। कभी जो बातें विज्ञान-कथा का हिस्सा थीं, वे अब प्रयोगशालाओं में आकार ले रही हैं। ऐसी ही एक क्रांतिकारी लेकिन चिंताजनक दिशा है-दिमाग पढ़ने की तकनीक, जिसे न्यूरोसाइंस की भाषा में ब्रेन मैपिंग और ब्रेन-डिकोडिंग कहा जाता है। यह तकनीक मानव मस्तिष्क की गतिविधियों को समझने, रिकॉर्ड करने और विश्लेषित करने की कोशिश करती है। लेकिन जैसे-जैसे यह क्षमता बढ़ रही है, वैसे-वैसे एक गंभीर सवाल भी गहराता जा रहा है-क्या हमारी मानसिक निजता सुरक्षित है?

कल्पना कीजिए, यदि किसी शहर का पूरा नक्शा बना दिया जाए जिसमें हर गली, हर घर, हर गतिविधि दर्ज हो-तो उस शहर की भविष्य की घटनाओं का अनुमान लगाना आसान हो जाएगा। विज्ञान अब इसी तरह मानव मस्तिष्क को समझने की कोशिश कर रहा है। यह केवल बीमारी के इलाज तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जानने की कोशिश है कि हम सोचते कैसे हैं, निर्णय कैसे लेते हैं और हमारी भावनाएं कैसे बनती हैं।

मानव मस्तिष्क लगभग 86 अरब न्यूरॉन्स का एक अत्यंत जटिल नेटवर्क है। ये न्यूरॉन्स एक-दूसरे से लाखों-करोड़ों कनेक्शनों के माध्यम से जुड़े होते हैं। यही नेटवर्क हमारी सोच, भावना, निर्णय और व्यवहार को नियंत्रित करता है। ब्रेन मैपिंग इसी नेटवर्क को समझने और उसकी संरचना को डिजिटल रूप में रिकॉर्ड करने की प्रक्रिया है।

वैज्ञानिक शोधों से यह स्पष्ट हुआ है कि मानव मस्तिष्क उम्र के साथ बदलता है। बचपन में मस्तिष्क के न्यूरल कनेक्शन अत्यंत लचीले होते हैं, जिससे सीखने की क्षमता अधिक होती है। किशोरावस्था में यह नेटवर्क अस्थिर और भावनात्मक रूप से तीव्र होता है, जबकि वयस्क अवस्था में यह अधिक स्थिर और संतुलित हो जाता है। इस विषय पर यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिल्वेनिया के शोधकर्ताओं ने 3,500 से अधिक लोगों के ब्रेन स्कैन का अध्ययन किया। निष्कर्ष यह रहा कि उम्र के साथ मस्तिष्क के विभिन्न हिस्सों के बीच संवाद बदलता रहता है, जिसे वैज्ञानिक संवेदना, निर्णय और भावनात्मक संतुलन के रूप में समझते हैं। भारत में भी आईआईटी और एम्स जैसे संस्थान इस क्षेत्र में सक्रिय हैं। इन शोधों से अल्जाइमर, पार्किंसन और अन्य न्यूरोलॉजिकल बीमारियों को समझने में मदद मिल रही है। साथ ही दिमाग पढ़ने की तकनीक अब केवल चिकित्सा तक सीमित नहीं रही, बल्कि कंप्यूटर और मशीनों को नियंत्रित करने जैसे प्रयोगों तक पहुंच चुकी है। कुछ तकनीकों की मदद से लोग बिना हाथ हिलाए सिर्फ सोचकर कर्सर चला पा रहे हैं या शब्द चुन पा रहे हैं। यह तकनीकी दृष्टि से बड़ी उपलब्धि है, खासकर उन लोगों के लिए जो शारीरिक रूप से विकलांग हैं। लेकिन इसी के साथ एक नया प्रश्न उठता है कि यदि मशीनें हमारे विचारों को समझने लगें, तो हमारी निजी सोच कितनी सुरक्षित रह जाएगी। इस तकनीक का उपयोग अपराध जांच में भी किया गया है। भारत में नार्को टेस्ट और ब्रेन मैपिंग जैसे प्रयोगों पर विवाद भी रहा है। 2010 में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि बिना सहमति ऐसे परीक्षण करना व्यक्ति के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। विशेषज्ञों का मानना है कि दिमाग हर व्यक्ति में अलग तरह से प्रतिक्रिया करता है, इसलिए केवल मस्तिष्क की गतिविधियों के आधार पर सच और झूठ तय करना वैज्ञानिक रूप से पूरी तरह विश्वसनीय नहीं है।

अब विज्ञान केवल शरीर या व्यवहार तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उसने मानव विचारों की दुनिया में प्रवेश कर लिया है। इससे "मानसिक निजता" की अवधारणा सामने आई है, जिसका अर्थ है कि किसी व्यक्ति के विचार, भावनाएं और निर्णय पूरी तरह निजी रहें और बिना अनुमति के उन तक पहुंच न हो। यह एक नया लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण विषय बन चुका है, क्योंकि यदि किसी व्यक्ति के विचारों को पढ़ा जा सकता है, तो उसकी स्वतंत्रता और पहचान पर सीधा प्रभाव पड़ सकता है। सबसे बड़ा खतरा यह है कि इन मानसिक संकेतों के आधार पर लोगों का व्यवहार, पसंद-नापसंद और निर्णय पहले से अनुमानित किया जा सकता है।

यह डेटा कंपनियों के लिए मार्केटिंग का नया हथियार और सरकारों के लिए निगरानी का साधन बन सकता है। इससे "डिजिटल माइंड प्रोफाइलिंग" जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जिसमें व्यक्ति की सोच को पहले से समझकर उस पर प्रभाव डाला जा सकता है। यह स्थिति लोकतंत्र और मानवाधिकारों के लिए गंभीर चुनौती बन सकती है।

दुनिया के कई देश इस दिशा में सतर्क हो रहे हैं। 2021 में चिली ने मानसिक निजता को संवैधानिक अधिकार का दर्जा देकर ऐतिहासिक कदम उठाया। वहीं यूरोप और अमेरिका में भी न्यूरो-एथिक्स और एआई रेगुलेशन पर चर्चा तेज हो रही है। हालांकि भारत सहित कई देशों में अभी इस विषय पर स्पष्ट और मजबूत कानूनों की कमी दिखाई देती है। एलन मस्क की न्यूरालिंक जैसी परियोजनाएं मस्तिष्क को सीधे कंप्यूटर से जोड़ने की दिशा में काम कर रही हैं। इसका उद्देश्य न्यूरोलॉजिकल बीमारियों के इलाज में क्रांति लाना है, लेकिन इसके साथ ही यह चिंता भी बढ़ती है कि यदि मस्तिष्क और मशीन के बीच सीधा संवाद स्थापित हो गया, तो विचारों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी। विज्ञान हमेशा प्रगति की दिशा में आगे बढ़ता है, लेकिन हर तकनीकी प्रगति के साथ नैतिक सवाल भी जुड़े होते हैं। दिमाग पढ़ने की तकनीक इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। यह चिकित्सा, शिक्षा और विकलांगता सहायता में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है, लेकिन गलत उपयोग की स्थिति में यह मानव स्वतंत्रता के लिए खतरा भी बन सकती है। आज हम एक ऐसे मोड़ पर खड़े हैं जहां विज्ञान मानव मस्तिष्क का नक्शा बना रहा है और तकनीक उसे पढ़ने की दिशा में आगे बढ़ रही है। यह विकास आशा भी देता है और चिंता भी। अभी यह तकनीक पूरी तरह विचार पढ़ने में सक्षम नहीं है, लेकिन शुरुआती संकेत बताते हैं कि भविष्य में यह सीमा और अधिक धुंधली हो सकती है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या हमारे पास मानसिक निजता की रक्षा के लिए पर्याप्त कानून और नैतिक ढांचा है? यदि नहीं, तो समय रहते इसे विकसित करना आवश्यक है, ताकि विज्ञान मानवता की सेवा करे, न कि उसकी स्वतंत्रता पर प्रश्नचिह्न लगाए।

विचार विण्डो

सरकारी स्कूल सुधार से शिक्षा में नई उम्मीद

राम कुमार शर्मा

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल (सीजी बोर्ड) के हालिया 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणामों ने शिक्षा व्यवस्था को लेकर एक सकारात्मक माहौल बनाया है। इस वर्ष दोनों कक्षाओं के परिणामों में हल्का लेकिन महत्वपूर्ण सुधार दर्ज किया गया है। 10वीं कक्षा में उत्तीर्ण प्रतिशत 76.53 से बढ़कर 77.15 प्रतिशत हो गया, जबकि 12वीं में यह 81.87 से बढ़कर 83.04 प्रतिशत पहुंच गया। यह बढ़ोतरी भले ही प्रतिशत में छोटी लगती हो, लेकिन इसके पीछे शिक्षा व्यवस्था में चल रहे बदलावों और प्रयासों की एक महत्वपूर्ण कहानी छिपी हुई है।

इन परिणामों में सबसे उल्लेखनीय पहलू यह रहा कि कई क्षेत्रों में सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों ने निजी स्कूलों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। यह स्थिति उन पुरानी धारणाओं को चुनौती देती है, जिनमें यह माना जाता रहा है कि बेहतर परिणाम केवल महंगे निजी स्कूल ही दे सकते हैं। यह बदलाव संकेत देता है कि यदि सरकारी शिक्षा व्यवस्था को सही दिशा, संसाधन और प्रबंधन मिले, तो वह भी उत्कृष्ट परिणाम दे सकती है।

वास्तव में यह परिणाम केवल परीक्षा के आंकड़े नहीं हैं, बल्कि यह एक व्यापक सामाजिक और शैक्षणिक संदेश भी देते हैं। यह संकेत है कि शिक्षा की गुणवत्ता केवल संस्थान के नाम पर निर्भर नहीं करती, बल्कि उसके भीतर मौजूद व्यवस्था, शिक्षक, नीति और वातावरण पर निर्भर करती है।

सरकारी स्कूलों की सबसे बड़ी ताकत उनका व्यापक नेटवर्क और समाज के हर वर्ग तक पहुंच है। ग्रामीण क्षेत्रों, आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों और दूरस्थ इलाकों में शिक्षा पहुंचाने का सबसे बड़ा माध्यम यही स्कूल हैं। लेकिन लंबे समय से इन स्कूलों में बुनियादी ढांचे की कमी, शिक्षकों की कमी, संसाधनों का अभाव और प्रशासनिक दबाव जैसी समस्याएं देखी जाती रही हैं। इन कारणों से शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होती है और इसका सीधा असर विद्यार्थियों के प्रदर्शन पर पड़ता है।

कई बार यह भी देखा गया है कि शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगाया जाता है, जैसे चुनाव ड्यूटी, जनगणना, प्रशासनिक सर्वेक्षण और अन्य सरकारी कार्य। इससे उनकी मुख्य जिम्मेदारी-शिक्षण-प्रभावित होती है। जब शिक्षक कक्षा में पर्याप्त समय नहीं दे पाते, तो विद्यार्थियों की समझ और तैयारी दोनों पर असर पड़ता है। इसके विपरीत, हाल के वर्षों में कुछ सरकारी प्रयासों ने स्थिति को सुधारने की दिशा में काम किया है। डिजिटल शिक्षा, स्मार्ट क्लास, प्रशिक्षण कार्यक्रम और पाठ्यक्रम सुधार जैसे कदमों ने धीरे-धीरे प्रभाव दिखाना शुरू किया है। छत्तीसगढ़ के हालिया परिणाम इस बात का संकेत हैं कि जब इन प्रयासों का सही ढंग से क्रियान्वयन होता है, तो परिणाम सकारात्मक आते हैं। दूसरी ओर, निजी स्कूलों को अक्सर बेहतर

अनुशासन, आधुनिक सुविधाओं और बेहतर परिणामों के लिए जाना जाता है। लेकिन इनकी एक बड़ी चुनौती बढ़ती फीस और विभिन्न प्रकार के अतिरिक्त शुल्क हैं। कई अभिभावकों के लिए यह आर्थिक बोझ बन जाता है। ऐसे में शिक्षा कई बार गुणवत्ता से अधिक आर्थिक क्षमता पर निर्भर होने लगती है, जो सामाजिक समानता के सिद्धांत के खिलाफ है। निजी स्कूलों में प्रतिस्पर्धा अधिक होती है, लेकिन कई बार यह प्रतिस्पर्धा बच्चों के मानसिक दबाव को भी बढ़ाती है। वहीं सरकारी स्कूलों में यदि उचित संसाधन और प्रशिक्षण उपलब्ध कराए जाएं, तो वहां का वातावरण अधिक संतुलित और समावेशी हो सकता है। आज जरूरत इस बात की है कि सरकारी स्कूलों को केवल सहायता प्राप्त संस्थान के रूप में नहीं, बल्कि शिक्षा के मुख्य आधार के रूप में देखा जाए। इसके लिए सबसे पहले शिक्षकों की कमी को दूर करना आवश्यक है। हर स्कूल में पर्याप्त और प्रशिक्षित शिक्षक होने चाहिए, ताकि शिक्षण कार्य प्रभावी ढंग से हो सके। इसके साथ ही शिक्षकों को केवल शैक्षणिक कार्यों पर केंद्रित रखा जाना चाहिए। यदि उन्हें बार-बार गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगाया जाएगा, तो शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होती रहेगी। शिक्षा एक सतत प्रक्रिया है, जिसमें निरंतर ध्यान और समर्पण की आवश्यकता होती है। बुनियादी ढांचे का सुधार भी उतना ही महत्वपूर्ण है। कई सरकारी स्कूलों में अभी भी पर्याप्त कक्षाएं, प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय और डिजिटल संसाधन नहीं हैं। यदि इन सुविधाओं को मजबूत किया जाए, तो विद्यार्थियों का सीखने का अनुभव काफी बेहतर हो सकता है। इसके अलावा, शिक्षा नीति में नियमित निगरानी और मूल्यांकन प्रणाली भी आवश्यक है। केवल योजनाएं बनाना पर्याप्त नहीं है, उनका प्रभावी क्रियान्वयन और समय-समय पर समीक्षा करना भी जरूरी है। इससे कमियों की पहचान जल्दी हो सकती है और सुधार के अवसर बढ़ सकते हैं। छत्तीसगढ़ के परीक्षा परिणाम यह भी दिखाते हैं कि सुधार संभव है। यदि सही दिशा में छोटे-छोटे प्रयास लगातार किए जाएं, तो बड़ा परिवर्तन लाया जा सकता है। यह परिणाम केवल छात्रों की मेहनत का नहीं, बल्कि शिक्षकों और प्रशासन के प्रयासों का भी संकेत हैं। एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि सरकारी स्कूलों के प्रति समाज की सोच में बदलाव लाना आवश्यक है। जब तक इन स्कूलों को कम गुणवत्ता का प्रतीक माना जाता रहेगा, तब तक उनमें सुधार की गति धीमी रहेगी। समाज, अभिभावक और सरकार-तीनों को मिलकर यह विश्वास बनाना होगा कि सरकारी स्कूल भी उत्कृष्ट शिक्षा दे सकते हैं। शिक्षा केवल परीक्षा में अच्छे अंक लाने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के संपूर्ण विकास की प्रक्रिया है। इसलिए सरकारी स्कूलों को केवल परिणाम आधारित नहीं, बल्कि समग्र विकास आधारित शिक्षा की ओर बढ़ना होगा।

यदि सरकार लगातार निवेश, सुधार और निगरानी पर ध्यान दे, तो सरकारी स्कूलों का स्तर काफी ऊपर उठ सकता है। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि देश के हर वर्ग के बच्चों को समान अवसर मिलेगा। अंततः यह कहा जा सकता है कि छत्तीसगढ़ बोर्ड के ताजा परिणाम एक उम्मीद की किरण हैं। यह संकेत देते हैं कि सुधार की दिशा में किए गए प्रयास सफल हो सकते हैं। जरूरत केवल इस बात की है कि इन प्रयासों को स्थिरता, गंभीरता और निरंतरता के साथ आगे बढ़ाया जाए। यदि ऐसा होता है, तो आने वाले वर्षों में सरकारी स्कूल न केवल निजी स्कूलों के बराबर आ सकते हैं, बल्कि कई मामलों में उनसे बेहतर प्रदर्शन भी कर सकते हैं। यही एक मजबूत, समान और समावेशी शिक्षा व्यवस्था की दिशा में सबसे बड़ा कदम होगा।

मुंबई को हराकर चेन्नई ने रचा ऐतिहासिक रिकॉर्ड

यूनिक समय, नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुंबई इंडियंस को 8 विकेट से हराकर न सिर्फ अहम जीत दर्ज की, बल्कि एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ चेन्नई आईपीएल इतिहास में मुंबई के खिलाफ 20 मैच जीतने वाली पहली टीम बन गई है, जो अपने आप में बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

मैच में मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 160 रन का लक्ष्य रखा, जिसे चेन्नई सुपर किंग्स ने आसानी से हासिल कर लिया। टीम ने केवल 2 विकेट खोकर 18.1 ओवर में लक्ष्य तक पहुंचते हुए दमदार जीत दर्ज की। इस जीत में कप्तान रुतुराज गायकवाड़ और कार्तिक शर्माकी शानदार अर्धशतकीय पारियों ने अहम भूमिका निभाई। चेन्नई की इस जीत का असर अंक तालिका पर भी देखने को मिला, जहां टीम अब छठे स्थान पर पहुंच गई है। वहीं मुंबई इंडियंस की स्थिति और कमजोर हो गई है और वह नौवें स्थान पर बनी हुई है। मुंबई ने इस सीजन में अब तक खेले गए नौ मुकाबलों में सिर्फ दो जीत हासिल की है, जिससे उसके प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें लगभग खत्म होती नजर आ रही हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच अब तक कुल 41 मुकाबले खेले जा चुके हैं, जिसमें चेन्नई ने 20 मैच जीते हैं, जबकि मुंबई 21 बार जीत दर्ज कर चुकी है। हालांकि अब चेन्नई ने इस मुकाबले को ऐतिहासिक बना दिया है, क्योंकि वह पहली टीम बन गई है जिसने मुंबई के खिलाफ 20 जीत का आंकड़ा छुआ है।

दूसरी ओर, मुंबई इंडियंस के लिए आगे का रास्ता बेहद कठिन हो गया है। यदि टीम अपने बाकी सभी मैच जीत भी लेती है, तो भी 14 अंकों के साथ प्लेऑफ में पहुंचना आसान नहीं होगा, क्योंकि पिछले सीजन के आंकड़े बताते हैं कि इतने अंक अक्सर पर्याप्त नहीं होते। चेन्नई सुपर किंग्स की यह जीत न सिर्फ टीम के आत्मविश्वास को बढ़ाने वाली है, बल्कि प्लेऑफ की दौड़ में भी उसे मजबूती देती है। वहीं मुंबई इंडियंस के लिए यह हार सीजन के अंत की ओर इशारा करती नजर आ रही है।

अजय देवगन के नाम 15 सौ करोड़ की हिट फिल्में

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड के दमदार अभिनेता अजय देवगन ने अपने 35 साल लंबे करियर में एक खास मुकाम हासिल किया है। एक्शन, ड्रामा और कॉमेडी–हर शैली में अपनी छाप छोड़ने वाले अजय के नाम अब 100 करोड़ क्लब में शामिल 15 फिल्में दर्ज हैं, जो उनकी लगातार सफलता को दर्शाती हैं।

1991 में फिल्म 'फूल और कांटे' से डेब्यू करने वाले अजय देवगन ने शुरुआत में एक्शन हीरो के रूप में पहचान बनाई। दो बाइक पर खड़े होकर एंट्री वाला उनका सीन आज भी यादगार माना जाता है। समय के साथ उन्होंने अपने अभिनय में विविधता लाई और गंभीर, देशभक्ति व कॉमेडी फिल्मों में भी खुद को साबित किया।

2000 के दशक में उनका करियर नया मोड़ लेता नजर आया। 'जख्म' और 'द लीजेंड ऑफ भगत सिंह' जैसी फिल्मों के लिए उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। वहीं 'कंपनी' में निभाया गया उनका किरदार आज भी उनके बेहतरीन अभिनय में गिना जाता है। बॉक्स ऑफिस पर अजय की पहली 100 करोड़ कमाने वाली फिल्म 'गोलमाल 3' रही, जिसके बाद 'सिंघम', 'तान्हाजी', 'दृश्यम 2' और 'सिंघम अगेन' जैसी फिल्मों ने शानदार कमाई की। खास बात यह है कि उनकी कई कॉमेडी फिल्में भी 100 करोड़ क्लब में शामिल हैं, जिससे उनकी बहुमुखी प्रतिभा साफ झलकती है। अजय देवगन को अक्सर 'साइलेंट सुपरस्टार' कहा जाता है, क्योंकि वे कम सुर्खियों में रहते हुए भी लगातार हिट फिल्में देते रहे हैं। अभिनय के साथ–साथ उन्होंने निर्देशन और निर्माण में भी अपनी पहचान बनाई है। कुल मिलाकर, अजय देवगन का करियर इस बात का प्रमाण है कि मेहनत, निरंतरता और प्रतिभा के दम पर लंबे समय तक सफलता हासिल की जा सकती है।

धुरंधर– 2 का धमाका, बनी दूसरी सबसे बड़ी भारतीय फिल्म

यूनिक समय, नई दिल्ली। धुरंधर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर नया इतिहास रचते हुए दुनियाभर में दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म का स्थान हासिल कर लिया है। फिल्म का कुल वर्ल्डवाइड कलेक्शन 1,788.32 करोड़ रुपये पहुंच गया है, जिससे इसने बाहुबली 2 को पीछे छोड़ दिया। अब यह सिर्फ दंगल से पीछे है, जो अभी भी पहले स्थान पर कायम है।

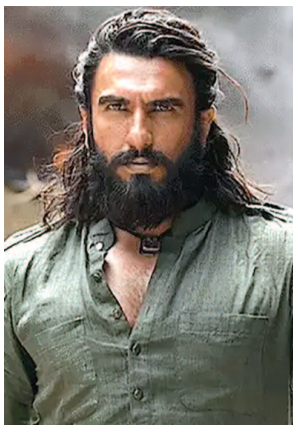

रिलीज के 45वें दिन भी फिल्म की कमाई जारी रही। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म ने भारत में 2.77 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया। इसके साथ ही भारत में इसका कुल नेट कलेक्शन 1,138.54 करोड़ और ग्रॉस कलेक्शन 1,362.57 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। वहीं विदेशों में फिल्म ने 425.75 करोड़ रुपये की कमाई की है।

फिल्म में रणवीर सिंह एक भारतीय जासूस की भूमिका में नजर आए हैं, जबकि इसका निर्देशन आदित्य धर ने किया है। दमदार कहानी और एक्शन के चलते फिल्म को देश–विदेश में शानदार प्रतिक्रिया मिली है।

धुरंधर का पहला भाग भी बॉक्स ऑफिस पर सफल रहा था, लेकिन दूसरे भाग ने कमाई के मामले में नया रिकॉर्ड बनाते हुए भारतीय सिनेमा में अपनी मजबूत पहचान बना ली है।

कनाडा में कपिल शर्मा के कैफे के पास फायरिंग

यूनिक समय, नई दिल्ली। कनाडा के सरे शहर में कॉमेडियन कपिल शर्मा से जुड़े एक कैफे के पास फिर फायरिंग की घटना सामने आई है। यह वारदात 120 स्ट्रीट इलाके में हुई, जिससे आसपास के क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया।

स्थानीय रिपोर्ट्स के अनुसार, जिस स्थान के पास गोलीबारी हुई, वहां कपिल शर्मा का कैफे और अन्य प्रतिष्ठान मौजूद हैं। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि निशाना कौन था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

घटना के बाद सोशल मीडिया पर कुछ कथित धमकी भरे संदेश भी सामने आए हैं, जिनमें कपिल शर्मा और उनके कैफे को लेकर चेतावनी दी गई है। हालांकि इन पोस्ट्स की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

गौरतलब है कि इससे पहले 2025 में भी इसी कैफे के पास फायरिंग की घटना हुई थी, जिसमें संपत्ति को नुकसान पहुंचा था और शीशे टूट गए थे। ताजा घटना के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हो गई हैं। इलाके को घेरकर फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस का कहना है कि हर पहलू से जांच की जा रही है और जल्द ही सच्चाई सामने लाई जाएगी।

मुंबई इंडियंस क्यों हुई इस सीजन कमजोर?

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 से पहले उम्मीद थी कि मुंबई इंडियंस इस बार दमदार वापसी करेगी, लेकिन नतीजे इसके बिल्कुल उलट रहे। पांच बार की चैंपियन टीम अब अंतिम चार में पहुंचने की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी है। इस खराब प्रदर्शन के पीछे कई बड़े कारण सामने आए हैं, जिनमें सबसे ज्यादा चर्चा कप्तानी और टीम रणनीति को लेकर हो रही है।

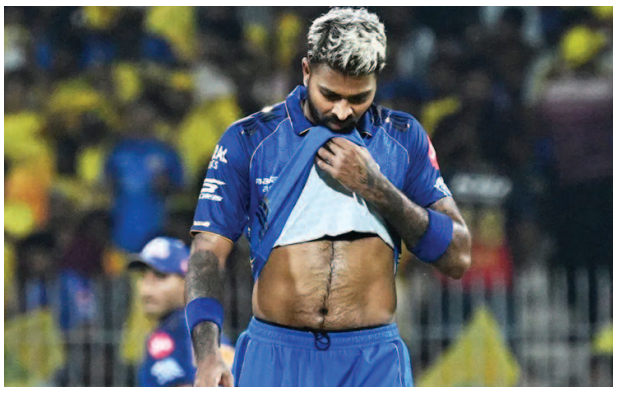

सबसे बड़ा झटका टीम को तब लगा जब रोहित शर्मा चोट के कारण शुरुआती मैचों के बाद बाहर हो गए। उनका अनुभव और स्थिरता टीम को काफी हद तक संभाल सकती थी, जिसकी कमी पूरे सीजन में साफ नजर आई। बल्लेबाजी में भी टीम के प्रमुख खिलाड़ी उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके। सूर्यकुमार यादव जैसे विस्फोटक बल्लेबाजी का लगातार असफल होना टीम के लिए बड़ा झटका साबित हुआ।

गेंदबाजी में भी स्थिति संतोषजनक नहीं रही। जसप्रीत बुमराह जैसे भरोसेमंद गेंदबाज के लिए सही रणनीति नहीं बन पाई। कभी उन्हें शुरुआती ओवरों के बाद लाया गया तो कभी शुरुआत में, लेकिन विरोधी टीमों ने उनके खिलाफ बेहतर तैयारी कर ली, जिससे उनका प्रभाव कम होता गया।

कप्तान हार्दिक पांड्या का प्रदर्शन भी सवालों के घेरे में रहा। कप्तानी में उनके फैसले कई मौकों पर कमजोर दिखे, खासकर दबाव भरे समय में। साथ ही एक हरफनमौला खिलाड़ी के रूप में भी वह बल्ले और गेंद दोनों से प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे।

टीम की एक और बड़ी कमजोरी शुरुआती छह ओवरों में नजर आई, जहां आक्रामक शुरुआत की कमी रही। शुरुआती ओवरों में विकेट गिरने से टीम बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर सकी, जिसका खामियाजा बाद में भुगतना पड़ा।

अब मुंबई इंडियंस के पास कुछ ही मुकाबले बचे हैं और अंतिम चार में पहुंचने की उम्मीद बेहद कम है। अगर टीम को वापसी करनी है, तो हर विभाग में सुधार के साथ–साथ मजबूत रणनीति अपनानी होगी, वरना यह सीजन निराशा के साथ खत्म हो सकता है।

स्टार खिलाड़ियों की खराब फॉर्म बनी बड़ी वजह

क्या अब भी वापसी कर पाएगी मुंबई टीम?

मजरूह सुल्तानपुरी की कलम से अमर हुआ गीत

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा के सुनहरे दौर का एक बेहद खूबसूरत गीत 'तेरी आंखों के सिवा' आज भी श्रोताओं के दिलों में खास जगह बनाए हुए है। साल 1969 में आई फिल्म 'चिराग' का यह गाना अपनी मधुरता और भावनात्मक गहराई के लिए जाना जाता है। इसे पर्दे पर सुनील दत्त और आशा पारेख की जोड़ी पर फिल्माया गया था, जिसने दर्शकों का दिल जीत लिया।

इस गीत के बोल मशहूर शायर मजरूह सुल्तानपुरी ने लिखे, जबकि संगीत मदन मोहन ने दिया। गीत की खास बात यह है कि इसके दो वर्जन हैं–पुरुष स्वर में मोहम्मद रफी और महिला स्वर में लता मंगेशकर ने इसे अपनी आवाज दी।

गीत के बोल प्रेम और सौंदर्य की ऐसी कल्पना पेश करते हैं, जिसमें प्रिय की आंखों को पूरी दुनिया की खुशियों से बढ़कर बताया गया है। यही कारण है कि यह गीत सिर्फ एक गाना नहीं, बल्कि प्रेम की सादगी और गहराई का प्रतीक बन गया है।

आज भी यह गीत पुराने दौर की उस मिठास की याद दिलाता है, जब शब्द, संगीत और अभिनय मिलकर जादू रचते थे।

पांच बच्चे रील बनाने के लिए पानी की टंकी पर चढ़े, हुआ बड़ा हादसा

सीढ़ियां टूटने से एक की मौत एयरफोर्स ने बचाए दो बच्चे

सीढ़ी टूटी, तीन बच्चे नीचे गिरे

दलदल से रेस्क्यू में आई बड़ी दिक्कत

हेलिकॉप्टर से दो बच्चों की जान बची

यूनिक समय, सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर में एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां सोशल मीडिया के लिए रील बनाने की कोशिश बच्चों पर भारी पड़ गई। 60 फीट उंची जर्जर पानी की टंकी पर चढ़े पांच बच्चों में से तीन नीचे गिर गए, जिनमें एक की मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हैं। वहीं, दो बच्चे टंकी पर फंस गए थे, जिन्हें करीब 16 घंटे बाद वायुसेना ने सुरक्षित बाहर निकाला।

घटना काशीराम आवास कॉलोनी की है, जहां शनिवार दोपहर बच्चे टंकी पर चढ़े थे। उतरते समय अचानक सीढ़ी टूट गई और हादसा हो गया। टंकी के आसपास दलदल होने के कारण स्थानीय प्रशासन को रेस्क्यू में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। क्रेन भी मौके तक नहीं पहुंच सकी, जिससे राहत कार्य बाधित हुआ।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने वायुसेना की मदद ली। रविवार सुबह एमआई–17 हेलिकॉप्टर मौके पर पहुंचा और महज 15 मिनट में दोनों बच्चों को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया। उन्हें इलाज के लिए गोरखपुर के एयरफोर्स अस्पताल भेजा गया।

बताया जा रहा है कि यह पानी की टंकी करीब 26 साल से बंद और जर्जर हालत में थी, लेकिन वहां कोई चेतावनी बोर्ड नहीं लगाया गया था। इस घटना ने एक बार फिर सुरक्षा व्यवस्था और बच्चों में बढ़ते सोशल मीडिया क्रेज पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मुंडन संस्कार में मातम

गंगा में डूबे चार, बचाने कूदे युवक भी लापता

एसडीआरएफ ने तेज किया सर्च अभियान

घाट पर मचा कोहराम परिजन बेहाल

यूनिक समय, वाराणसी/बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के शिवरामपुर गंगा घाट पर रविवार सुबह मुंडन संस्कार के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। स्नान करते समय गहरे पानी में जाने से चार लोग डूब गए, जिनमें दो किशोरियां और दो युवक शामिल हैं। इस घटना के बाद घाट पर अफरा–तफरी मच गई और परिजनों में चीख–पुकार गूंज उठी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, फेफना थाना क्षेत्र के कल्याणीपुर गांव से एक परिवार मुंडन संस्कार के लिए गंगा घाट पहुंचा था। कार्यक्रम के दौरान कुछ किशोरियां स्नान करने के लिए नदी में उतरीं, लेकिन अचानक गहराई में जाने से वे डूबने लगीं। उन्हें बचाने के लिए आसपास मौजूद दो युवक नदी में कूद पड़े, लेकिन वे भी तेज बहाव और गहराई के कारण बाहर नहीं निकल सके। स्थानीय लोगों ने तत्काल बचाव का प्रयास किया और चार में से दो किशोरियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, लेकिन बाकी चार लोग लापता हो गए। डूबने वालों में हर्षिता (17), नंदिता (12), अरुण (20) और अर्जुन (19) शामिल बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और नाविकों की मदद से तलाश अभियान शुरू किया गया। करीब चार घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बावजूद लापता लोगों का कोई सुराग नहीं मिल सका। इसके बाद एसडीआरएफ टीम को बुलाया गया है, जो गंगा में सर्च ऑपरेशन चला रही है। अधिकारियों का कहना है कि हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

यूपी में तेज आंधी–बारिश से हाहाकार

कई जिलों में तेज आंधी बारिश जारी

पेड़ गिरे, ट्रैक बाधित जनजीवन प्रभावित

सुल्तानपुर हादसे में एक व्यक्ति की मौत

मौसम विभाग ने 26 जिलों में अलर्ट जारी

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। लखनऊ, अयोध्या, बस्ती, आजमगढ़, मऊ, देवरिया और बलिया समेत करीब 12 जिलों में तेज आंधी और बारिश का असर देखने को मिला। कई जगह बिजली कड़कने के साथ तेज हवाएं चलीं, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। फर्रूखाबाद में तेज आंधी के चलते पेड़ और बिजली के पोल उखड़ गए। कानपुर में रेलवे ट्रैक पर पेड़ गिरने से ट्रेनों का संचालन बाधित हुआ, जबकि सड़क मार्ग भी प्रभावित रहा। सुल्तानपुर में एक चक्की पर पेड़ की डाल गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया।

मौसम विभाग ने प्रदेश के 26 जिलों में अलर्ट जारी किया है। 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और बिजली गिरने की संभावना जताई गई है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में ओलावृष्टि की भी आशंका है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, पहाड़ी क्षेत्रों में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण यह बदलाव आया है। इसके चलते अगले पांच दिनों तक प्रदेश में आंधी–तूफान और बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है। तापमान में भी 4 से 5 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की गई है, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है।

हालांकि, इस बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। सब्जियों और फलों की फसलों को नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने और खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी है।

नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में बोले सीएम योगी

नौ साल में 9 लाख नौकरियां मिली

चालू वर्ष में डेढ़ लाख नई भर्तियों का लक्ष्य

भ्रष्टाचार रोकने को सख्त कानून और कड़ी सजा

युवाओं के सुरक्षित भविष्य पर सरकार का खास फोकस

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि राज्य में पिछले नौ वर्षों के दौरान 9 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां दी गई हैं। उन्होंने इसे पारदर्शी और निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया का रिकॉर्ड बताया और दावा किया कि अब नियुक्तियों में रिश्वतखोरी की कोई गुंजाइश नहीं है।

लखनऊ स्थित लोक भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने नवचयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस दौरान उन्होंने कहा कि चालू वित्तीय वर्ष 2026–27 में करीब डेढ़ लाख नई भर्तियों की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लोक सेवा आयोग और शिक्षा चयन आयोग मिलकर बड़े स्तर पर नियुक्तियां करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भर्ती प्रक्रियाओं में गड़बड़ी रोकने के लिए सख्त कानून बनाए गए हैं। यदि कोई व्यक्ति चयन प्रक्रिया में सेंधमारी करता है, तो उसे आजीवन कारावास और संपत्ति जब्ती जैसी सजा का प्रावधान है।

उन्होंने पिछली सरकारों पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वर्ष 2017 से पहले भर्तियों में भ्रष्टाचार और अनियमितताएं आम थीं। कई बार कोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ता था और फर्जी डिग्री वाले लोग भी चयन प्रक्रिया में शामिल हो जाते थे। इसके विपरीत अब पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाई गई है।

सीएम योगी ने यह भी बताया कि पुलिस विभाग में अब तक 2.20 लाख से अधिक भर्तियां की जा चुकी हैं। इसके अलावा स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा विभाग में भी संसाधनों और प्रयोगशालाओं का विस्तार हुआ है।

उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य युवाओं को निष्पक्ष अवसर देना और उनके भविष्य को सुरक्षित बनाना है, ताकि प्रदेश विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ सके।

मेधावी छात्रों को अखिलेश यादव ने दिया सम्मान

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में समाजवादी पार्टी मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में अखिलेश यादव ने यूपी बोर्ड के मेधावी छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया। इन विद्यार्थियों ने 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं में अपने–अपने जिलों में शीर्ष स्थान हासिल कर परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया।

कार्यक्रम के दौरान छात्रों को लैपटॉप भेंट किए गए, ताकि वे आगे की पढ़ाई में तकनीक का बेहतर उपयोग कर सकें। इस मौके पर अखिलेश यादव ने छात्रों की मेहनत और लगन की सराहना करते हुए कहा कि युवा ही देश का भविष्य हैं और उनकी सफलता समाज के लिए प्रेरणा है।

उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए ऐसे प्रयास जरूरी हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र, अभिभावक और पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सार संक्षेप

ईरान-अमेरिका वार्ता प्रस्ताव: होर्मुज और परमाणु मुद्दा शामिल

यूनिक समय, नई दिल्ली। ईरान ने पश्चिम एशिया में तनाव कम करने के लिए अमेरिका को बातचीत का प्रस्ताव भेजा है। इसमें जलडमरूमध्य होर्मुज को दोबारा खोलने और परमाणु कार्यक्रम पर वार्ता की बात शामिल है। प्रस्ताव के पहले चरण में एक महीने के भीतर युद्धविराम और क्षेत्रीय संघर्ष खत्म करने की योजना है, जबकि दूसरे चरण में ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम पर चर्चा करने को तैयार है। यह जलडमरूमध्य वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20% संभालता है, इसलिए इसका खुलना वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अहम माना जा रहा है।

केदारनाथ धाम में भीड़ नियंत्रण के लिए नई व्यवस्था

यूनिक समय, नई दिल्ली। चारधाम यात्रा के दौरान केदारनाथ धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन सख्ती बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। अब मंदिर के चारों ओर करीब सात फीट ऊंचे बैरिकेड्स लगाने का प्रस्ताव दिया गया है, जिससे भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जा सके। इस कदम का उद्देश्य अनावश्यक आवाजाही रोकना और रील बनाने जैसी गतिविधियों पर लगाम लगाना है। कुछ लोग प्रतिबंध के बावजूद मंदिर परिसर में वीडियो बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे रोकने के लिए सख्त नियम लागू किए जा रहे हैं। प्रस्ताव मंजूर होने के बाद काम शुरू किया जाएगा।

हेमकुंड साहिब में सेना ने शुरू किया बर्फ हटाने का काम

यूनिक समय, नई दिल्ली। हेमकुंड साहिब में 23 मई से शुरू होने वाली यात्रा की तैयारियां तेज हो गई हैं। सेना और गुरुद्वारा सेवादारों की टीम बर्फ हटाने के लिए पहले ही पहुंच चुकी है। जवानों ने रास्ता साफ करने के बाद सबसे पहले अरदास की और फिर आस्था पथ से बर्फ हटाने का काम शुरू किया। 418 इंडिपेंडेंट फील्ड नौवीं माउंटेन ब्रिगेड की टीम ने अटलाकोटी हिमखंड को काटकर मार्ग को आगे बढ़ाया। अब टीम वहीं रहकर यात्रा मार्ग को श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित और सुगम बनाने में जुटी है।

देहरादून में तेज आंधी झमाझम बारिश और ओलावृष्टि

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तराखंड में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। राजधानी देहरादून में तेज आंधी, झमाझम बारिश और ओलावृष्टि हुई, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग ने उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग और अन्य पर्वतीय जिलों में बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है। उंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी की भी संभावना जताई गई है। तेज हवाओं और खराब मौसम को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

दहीबड़ा खाने से 58 लोगों की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओडिशा के जाजपुर जिले से एक चिंताजनक मामला सामने आया है, जहां दहीबड़ा खाने के बाद 58 लोगों की तबीयत अचानक खराब हो गई। इनमें 27 बच्चे भी शामिल हैं। सभी को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया।

यह घटना जाजपुर जिले के दशरथपुर ब्लॉक के पातापुर गांव की है। जानकारी के अनुसार, गांव में एक स्थानीय विक्रेता से दहीबड़ा खाने के बाद लोगों को उल्टी, बुखार और कमजोरी की शिकायत होने लगी। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उन्हें नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों में भर्ती कराया। पीड़ितों को दशरथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और जाजपुर जिला मुख्यालय अस्पताल (डीएचएच) में इलाज के लिए ले जाया गया। जाजपुर के जिला कलेक्टर अंबर कुमार ने बताया कि इलाज के बाद 21 लोगों को छुट्टी दे दी गई है, जबकि बाकी मरीजों का उपचार जारी है। सभी की हालत अब स्थिर बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही राज्य के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मुकेश महालिंग अस्पताल पहुंचे और मरीजों से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में दहीबड़ा खाने को ही बीमारी का कारण माना जा रहा है। खाद्य पदार्थ और पानी के नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं। साथ ही, मामले की जांच के लिए तीन टीमों का गठन किया गया है। वहीं, भाजपा सांसद रबींद्र नारायण बेहरा ने भी घटना पर चिंता जताई। उन्होंने बताया कि एक बुजुर्ग महिला की मृत्यु की सूचना है, लेकिन उसकी वजह की पुष्टि मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही होगी। गर्मी के मौसम में बाहर का खाना खाते समय सावधानी बरतना बेहद जरूरी है, क्योंकि लापरवाही स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकती है।

प्रशासन और सरकार की प्रतिक्रिया

जिला कलेक्टर अंबर कुमार के अनुसार, इलाज के बाद 21 लोगों को छुट्टी दे दी गई है और बाकी का उपचार जारी है। स्वास्थ्य मंत्री मुकेश महालिंग ने अस्पताल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और बताया कि प्रारंभिक जांच में दहीबड़ा को कारण माना जा रहा है। खाद्य और पानी के नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं और मामले की जांच के लिए तीन टीमों का गठन किया गया है। वहीं, सांसद रबींद्र नारायण बेहरा ने भी घटना पर चिंता जताई और एक बुजुर्ग महिला की मौत की जांच की बात कही।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने अस्पताल पहुंच मरीजों से मुलाकात की

दिल्ली-एनसीआर समेत कई राज्यों में बदला मौसम, अगले 48 घंटे अहम

यूनिक समय, नई दिल्ली। देशभर में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। सक्रिय पश्चिम विक्षोभ के कारण उत्तर, पश्चिम और मध्य भारत के कई हिस्सों में आंधी, बारिश और बादलों की आवाजाही जारी है। इससे तापमान में गिरावट आई है और लोगों को गर्मी से राहत मिली है।

राजधानी दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र में अगले 48 घंटों के दौरान बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने 3 और 4 मई के लिए "येलो अलर्ट" जारी किया है। इस दौरान तेज हवाएं 30 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती हैं, साथ ही दोपहर बाद गरज-चमक के साथ बारिश होने के आसार हैं। तापमान 37 डिग्री के आसपास रहने की उम्मीद है। वहीं उत्तराखंड में 4 और 5 मई के लिए "ऑरेंज अलर्ट" जारी किया गया है। देहरादून, नैनीताल और हरिद्वार जैसे क्षेत्रों में तेज बारिश, ओलावृष्टि और बिजली गिरने की चेतावनी दी गई है।

उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा में भी तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है।

वहीं बिहार में दिन में उमस और शाम को बारिश हो सकती है। दक्षिण भारत के राज्यों जैसे केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में प्री-मानसून गतिविधियां तेज हो रही हैं, जिससे कई इलाकों में गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला

ईडी की बड़ी कार्रवाई, 13 ठिकानों पर छापेमारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के चर्चित शराब घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए राज्य के कई जिलों में छापेमारी की है। इस कार्रवाई के तहत रायपुर, दुर्ग-भिलाई और बिलासपुर समेत 13 ठिकानों पर रेड की गई। यह छापेमारी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत की गई, जिसमें करोड़ों रुपये की नकदी और कीमती सामान जब्त किए गए हैं।

ईडी की जांच में अब तक सामने आया है कि इस घोटाले में करीब 2,883 करोड़ रुपये की अवैध कमाई की गई। तलाशी अभियान के दौरान लगभग 5.39 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई, जिसमें करीब 53 लाख रुपये नकद और लगभग 3.234 किलोग्राम सोने के आभूषण शामिल हैं। इसके अलावा कई आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल उपकरण भी बरामद किए गए हैं, जिनकी जांच जारी है। जांच एजेंसी के मुताबिक, यह पूरा मामला 2019 से 2022 के बीच शराब की खरीद, लाइसेंसिंग और बिक्री में अवैध कमीशन वसूली से जुड़ा है। इसमें राजनीतिक नेताओं, वरिष्ठ नौकरशाहों, शराब कारोबारियों और लाइसेंसधारियों की मिलीभगत से एक संगठित नेटवर्क चलाया गया। आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर ईडी ने जांच शुरू की थी। इस मामले में अब तक नौ लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इनमें एक सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी, राज्य विपणन निगम (सीएसएमसीएल) के पूर्व प्रबंध निदेशक, आबकारी विभाग के अधिकारी, पूर्व मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री के पुत्र समेत कई अहम नाम शामिल हैं।

भवानीपुर मतगणना केंद्र के बाहर हंगामा, टीएमसी-भाजपा में बढ़ा तनाव

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में मतगणना केंद्र के बाहर रविवार को उस समय हंगामा मच गया, जब तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा के झंडे लगे वाहन स्ट्रांग रूम परिसर में प्रवेश कर गए। यह क्षेत्र मुख्यमंत्री ममता बनजी का निर्वाचन क्षेत्र है, जिससे मामले की संवेदनशीलता और बढ़ गई है।

टीएमसी कार्यकर्ताओं के मुताबिक, दो वाहन बिना उचित अनुमति के उस परिसर में पहुंचे, जहां इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) रखी गई हैं। उनका कहना है कि बिना पहचान पत्र किसी को भी अंदर जाने की अनुमति नहीं होती, ऐसे में इन वाहनों का प्रवेश सवाल खड़े करता है। कार्यकर्ताओं ने दावा किया कि पुलिस ने वाहनों को हटाने का आश्वासन दिया, लेकिन वे कुछ समय तक वहां मौजूद रहे। हालांकि, निर्वाचन आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इन आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि वाहन पास की सड़क से गुजर रहा था और जांच के बाद उसे जाने दिया गया, क्योंकि उसमें कुछ भी आपत्तिजनक नहीं पाया गया।

गौरतलब है कि इससे एक दिन पहले ममता बनर्जी ने इसी मतगणना केंद्र के बाहर धरना दिया था और स्ट्रांग रूम की सुरक्षा पर सवाल उठाए थे। उन्होंने अनधिकृत लोगों के प्रवेश और पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाया था। राज्य में मतदान के बाद सत्तारूढ़ टीएमसी और भारतीय जनता पार्टी के बीच तनाव बढ़ गया है। दोनों दलों के कार्यकर्ता स्ट्रांग रूम की निगरानी कर रहे हैं। इससे पहले भी कोलकाता और हावड़ा के मतगणना केंद्रों पर हंगामे की खबरें सामने आ चुकी हैं।

जर्मनी से अमेरिकी सैनिकों की वापसी का ऐलान, बढ़ी वैश्विक चिंता

यूनिक समय, नई दिल्ली। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक बड़े फैसले ने यूरोप की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नई बहस छेड़ दी है। ट्रंप ने जर्मनी में तैनात अमेरिकी सैनिकों की संख्या में कटौती करने का ऐलान किया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हलचल तेज हो गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पेंटागन ने करीब 5,000 अमेरिकी सैनिकों को जर्मनी से वापस बुलाने की योजना बनाई है। हालांकि, ट्रंप ने संकेत दिया है कि यह संख्या यहीं तक सीमित नहीं रहेगी और आने वाले समय में इससे अधिक सैनिकों को भी वापस बुलाया जा सकता है। उन्होंने इस फैसले के पीछे की स्पष्ट वजह नहीं बताई, लेकिन उनके बयान से यह साफ है कि अमेरिका यूरोप में अपनी सैन्य उपस्थिति को कम करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस निर्णय का असर नाटो (नाटो) की रणनीति और यूरोप की सामूहिक सुरक्षा प्रणाली पर पड़ सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे यूरोपीय देशों पर अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने का दबाव बढ़ेगा। जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह पूरी तरह अप्रत्याशित नहीं है। उन्होंने माना कि यूरोपीय देशों को अपनी सुरक्षा की जिम्मेदारी अधिक उठानी होगी, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि अमेरिका की सैन्य मौजूदगी यूरोप और अमेरिका-दोनों के हित में रही है। वर्तमान में जर्मनी में लगभग 36,000 अमेरिकी सैनिक तैनात हैं, ऐसे में 5,000 सैनिकों की वापसी कुल संख्या का एक बड़ा हिस्सा मानी जा रही है। इस प्रक्रिया को अगले 6 से 12 महीनों में पूरा किया जा सकता है। गौरतलब है कि रूस-यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद अमेरिका ने यूरोप में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ाई थी। ऐसे में अब सैनिकों की संख्या में कटौती का यह कदम क्षेत्रीय सुरक्षा संतुलन को प्रभावित कर सकता है और आने वाले समय में इसके व्यापक रणनीतिक असर देखने को मिल सकते हैं।

पेंटागन ने करीब 5 हजार अमेरिकी सैनिकों को जर्मनी से वापस बुलाने की योजना बनाई

इंदौर में नशे में धुत पुलिसकर्मी ने सिपाहियों को मारी टक्कर

यूनिक समय, नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के इंदौर में एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है, जहां ड्यूटी पर तैनात दो पुलिसकर्मियों को उनके ही विभाग के एक पुलिसकर्मी ने कार से टक्कर मार दी। यह घटना राजनगर इलाके में हुई, जिससे पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, कांस्टेबल प्रमोद त्यागी और भूरलाल रात की गश्त पर थे, तभी तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि कार चला रहा पुलिसकर्मी विजय चौहान नशे की हालत में था, जिसके कारण उसने वाहन पर नियंत्रण खो दिया। इस हादसे में दोनों सिपाही गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सम्मान और बदहाली के बीच फंसा जैंत गांव

'बेस्ट टूरिज्म' का तमगा, पर गलियों में घुटनों तक कीचड़

यनिक समय, चौमुहां। जनपद का गांव जैंत जिसे प्रदेश स्तर पर 'बेस्ट टूरिज्म' के खिताब से नवाजा गया है, आज प्रशासनिक उपेक्षा के कारण अपनी बदहाली पर आंसूओं से रो रहा है। सरकारी फाइलों में मॉडल गांव बना जैंत जमीनी स्तर पर नारकीय स्थिति से जूझ रहा है। गांव की गलियों में जमा कीचड़ और जलभराव ने ग्रामीणों का जीना मुहाल कर दिया है।

सबसे गंभीर स्थिति स्कूली बच्चों की है। घुटनों तक भरे गंदे पानी और फिसलन भरे कीचड़ से होकर बच्चे बमुश्किल स्कूल पहुंच पा रहे हैं। कई बार बच्चे इस गंदगी में गिरकर चोटिल हो जाते हैं और उनकी किताबें व यूनिफॉर्म खराब हो जाती है। ठाकुर नरेश सिंह ने रोष व्यक्त करते हुए कहा, "गांव को पर्यटन का खिताब मिलना हमारे लिए गर्व की बात थी, लेकिन आज हमें अपने ही गांव में चलने में शर्म आती है। ग्राम प्रधान और सचिव को बार–बार कहने के बावजूद सफाई का कोई नामोनिशान नहीं है। नालियां चोक हैं और गंदा पानी हमारे घरों के दरवाजों तक खड़ा है। अगर यही 'बेस्ट टूरिज्म' है, तो हमें ऐसा सम्मान नहीं चाहिए।" रामकटोरी ने अपनी पीड़ा बताते हुए कहा, "गंदगी और मच्छरों के कारण रात भर नींद नहीं आती। बच्चे आए दिन बीमार पड़ रहे हैं। कीचड़ की वजह से घर से निकलना दूभर हो गया है। ऐसा लगता है जैसे प्रशासन हमें भूल गया है। हम बस नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं और कोई सुनने वाला नहीं है। ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि ग्राम पंचायत में कोई विकास कार्य नहीं कराया जा रहा है। पंचायत सचिव और ग्राम प्रधान की अनदेखी से गांव में संक्रामक बीमारियों का खतरा पैदा हो गया है। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही जल निकासी और सफाई की व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई तो वे जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करने को विवश होंगे। एक तरफ पर्यटन के क्षेत्र में सम्मान और दूसरी तरफ बुनियादी सुविधाओं का यह अकाल, सिस्टम की कार्यशैली पर बड़े सवाल खड़ा करता है। आखिर जैंत गांव का यह 'मॉडल' स्वरूप कब तक कीचड़ में दबा रहेगा?

जिले में स्मार्ट मीटर के विरोध में आप का प्रदर्शन

प्रशासनिक अधिकारी को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपते आप कार्यकर्ता।

यूनिक समय,मथुरा। उत्तर प्रदेश में स्मार्ट मीटर को लेकर बढ़ते विवाद के बीच आम आदमी पार्टी ने मथुरा सहित प्रदेशभर में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने जिला विद्युत उपकेंद्र पर एकत्र होकर स्मार्ट मीटर व्यवस्था के खिलाफ नारेबाजी की और राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा। प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए जिलाध्यक्ष भगत सिंह ने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर योजना जनता को राहत देने के बजाय आर्थिक शोषण का माध्यम बन गई है। उन्होंने कहा कि बैलेंस खत्म होते ही तुरंत बिजली काट दी जाती है, लेकिन रिचार्ज के बाद भी कई घंटों तक बिजली बहाल नहीं होती, जिससे उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। महानगर अध्यक्ष प्रवीण भारद्वाज ने कहा कि प्रदेश में लाखों उपभोक्ता गलत बिलिंग, तेजी से बैलेंस खत्म होने और बार–बार बिजली कटौती से परेशान हैं। उन्होंने दावा किया कि जिन उपभोक्ताओं का पहले 1500 तक बिजली बिल आता था, अब वह बढ़कर 6000 से 7000 तक पहुंच रहा है। इसे उन्होंने "जनता की जेब पर सीधा हमला" बताया। आप नेताओं ने आरोप लगाया कि करीब 20 करोड़ के स्मार्ट मीटर प्रोजेक्ट में बड़े स्तर पर अनियमितताएं और कमीशनखोरी की आशंका है। उन्होंने कहा कि पहले मीटरों की कीमत सिंगल फेज के लिए 6016 और थ्री फेज के लिए 12000 तक वसूली गई। पार्टी नेताओं का यह भी कहना है कि सरकार द्वारा स्मार्ट मीटर को वैकल्पिक बताया जा रहा है, जबकि जमीनी स्तर पर अधिकारियों द्वारा उपभोक्ताओं के घरों में जबरन प्रीपेड मीटर लगाए जा रहे हैं। भीषण गर्मी के बीच बिजली कटौती और तकनीकी खामियों ने आम लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। किसानों की समस्याओं का जिक्र करते हुए नेताओं ने कहा कि नलकूपों पर लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर नेटवर्क की कमी के कारण सही ढंग से काम नहीं कर पा रहे हैं। पार्टी के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने शीघ्र कार्रवाई नहीं की तो आंदोलन को और तेज करते हुए इस मुद्दे को सड़क से लेकर सदन तक उठाया जाएगा। प्रदर्शन में महानगर महासचिव प्रदीप सक्सेना, महानगर उपाध्यक्ष कमल सिंह, जिला उपाध्यक्ष राकेश अग्रवाल, महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष निर्मल शर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, स्थानीय नागरिक और महिलाएं मौजूद रहीं।

राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

स्वामी नरहरि देवजी महाराज का प्राकट्य महोत्सव मनाया

स्वामी नरहरि देवजी महाराज के प्राकट्योत्सव मनाता संत समाज।

यूनिक समय, वृंदावन। श्रीस्वामी नरहरि देवजी महाराज का 399वाँ प्राकट्य महोत्सव मनाया गया। परिक्रमा मार्ग स्थित 'हरिदासीय राधाप्रसाद सेवा ट्रस्ट' एवं ' श्री हरिदासीय रसोपासना पीठ ललित कुंज' के तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव में भक्तों और संतों ने अपनी हाजिरी लगाई। महंत मोहिनी बिहारी शरण महाराज ने बताया कि उत्सव का शुभारंभ ब्रह्ममुहूर्त में ठाकुर श्रीराधा ललित बिहारीजी महाराज की मंगलाचरण आरती के साथ हुआ। पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी राधाप्रसाद देव जू महाराज के सानिध्य में समूचा वातावरण 'बांके बिहारी' और 'स्वामी हरिदास' के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। महामंडलेश्वर स्वामी राधाप्रसाद देव महाराज ने स्वामी नरहरि देवजी के जीवन और उनके चमत्कारों पर प्रकाश डाला। हरिदासीय संप्रदाय के आचार्य पीतांबर देव जू महाराज की वाणी का विमोचन हुआ। कार्यक्रम में महामंडलेश्वर सत्यानन्द सरस्वती अधिकारी गुरु महाराज, महंत रामदास, महंत अचल दास, महंत श्याम बाबा, वैष्णव दास, नवलसखी दास, अनमोल शास्त्री, मनोज मोहन शास्त्री, मृदुलकांत शास्त्री, रूपेश शरण, आचार्य बद्रीश तथा सूरज उपस्थित थे।

पीताम्बर देव जू महाराज की वाणी का विमोचन

राज्यमंत्री रवीन्द्र जायसवाल ने की समीक्षा बैठक

गोवर्धन में नए रजिस्ट्री कार्यालय के दिए निर्देश

यूनिक समय, मथुरा। स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवीन्द्र जायसवाल ने जनपद भ्रमण के दौरान वृंदावन और बरसाना में मंदिरों के दर्शन कर विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने गोवर्धन तहसील में नए रजिस्ट्री कार्यालय को शीघ्र खोले जाने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में लागू जनहितकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बताया कि परिवार के सदस्यों के बीच संपत्ति अंतरण की प्रक्रिया सरल की गई है। अब मात्र 5 हजार रुपये के स्टांप शुल्क पर दान पत्र और विभाजन विलेख पंजीकृत किए जा रहे हैं। साथ ही किरायेदारी से जुड़े शुल्क भी आसान बनाए गए हैं, जिससे मकान मालिक और किराएदार के बीच संबंध बेहतर होंगे।

मथुरा में धूमधाम से निकाली गई भगवान परशुराम की शोभायात्रा

भगवान परशुराम शोभा यात्रा में शामिल ब्राह्मण समाज।

यूनिक समय, मथुरा। भगवान परशुराम शोभायात्रा समिति (रजि.) मथुरा के तत्वावधान में रविवार को भगवान परशुराम की भव्य शोभायात्रा बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ निकाली गई। कार्यक्रम का शुभारंभ शाम महेश्वरी सेवा सदन, बाटी वाली कुंज पर पंडित रामगोपाल शर्मा द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात विचार गोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें आचार्य रमाकांत गोस्वामी, आचार्य बांके बिहारी, राजकुमार शर्मा सहित कई वक्ताओं ने अपने विचार रखे।

सुबह वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन–यज्ञ कर देश–विदेश में शांति की कामना की गई। मुख्य अतिथि के रूप में भागवत प्रवक्ता देवकीनंदन ठाकुर उपस्थित रहे। समिति द्वारा 251 वरिष्ठ विप्रजनों एवं 151 महिलाओं का पगड़ी, दुपट्टा और स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। सुसज्जित डोले पर विराजमान भगवान परशुराम के चित्रपट की आरती के साथ शोभायात्रा प्रारंभ हुई। शोभायात्रा में विभिन्न आकर्षक झांकियां, बैंड–बाजे, अखाड़ों के प्रदर्शन और भक्ति गीतों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। करीब 300 महिलाएं केशव देव झांकी के साथ चल रही थीं, जबकि 11 विशेष सजी हुई गाड़ियां आकर्षण का केंद्र रहीं।

शहरभर में जगह–जगह पुष्पवर्षा कर श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया। शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई डीग गेट पहुंची, जहां आरती के साथ समापन किया गया। आयोजकों ने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

हवन–यज्ञ, विचार गोष्ठी और भव्य स्वागत कार्यक्रमों के साथ हजारों श्रद्धालु हुए शामिल

मोदी जी के बाद आप बस योगी को सत्ता दे दो ..

संवाददाता

यूनिक समय, आगरा। राष्ट्रीय कवि संगम ब्रज प्रांत एवं सारंग फाउंडेशन की ओरसे बोदला–सिकंदरा मार्ग स्थित द नंबरदार्स बैंक्विट हॉल में प्रांतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में आगरा समेत ब्रज प्रांत से आए वीर, हास्य, श्रृंगार और अन्य रसों के सिद्ध हस्त रचनाकारों ने काव्य रसधार बहाकर सबको भाव विभोर कर दिया, वहीं कविताओं के मूल स्वर में अंतर्निहित 'राष्ट्र जागरण धर्म हमारा' के चिंतनपरक भाव ने सभी की चेतना के तार झंकृत कर दिए।

समारोह के मुख्य अतिथि दीनदयाल धाम के निदेशक सोनपाल, राष्ट्रीय कवि संगम के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश मित्तल, विशिष्ट अतिथि मनकामेश्वर मंदिर मठ के तिलकायत महंत योगेश पुरी, भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष शिव शंकर शर्मा, सरस्वती विद्या मंदिर दीनदयाल धाम के प्रबंधक नरेंद्र पाठक, अपर जिलाधिकारी प्रशासन आजाद भगत सिंह, संगम ब्रज प्रांत के कार्यकारी अध्यक्ष राष्ट्रीय कवि सचिन सारंग, कवयित्री डॉ. रुचि चतुर्वेदी, ब्रज प्रांत अध्यक्ष गया प्रसाद मौर्य 'रजत', ब्रज प्रांत प्रभारी अनिल बोहरे, प्रेम सिंह यादव ने माँ शारदे के चित्रपट के समक्ष दीप जलाकर कवि सम्मेलन का शुभारंभ किया। काव्य–पाठ के क्रम में सचिन सारंग की इन पंक्तियों पर सभागार तालियों से गूँज उठा– " मोदी जी के बाद आप बस योगी को सत्ता दे दो। यही वक्त है, यही है मौका, यही समय की इच्छा है। उठो हिन्दुओ! आज आपकी सबसे बड़ी परीक्षा है.. " राष्ट्रीय कवि संगम के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश मित्तल का भी अभिनंदन किया गया। समारोह में अशोक चौबे, आचार्य उमाशंकर पाराशर, रामेंद्र शर्मा रवि, प्रभु दत्त उपाध्याय, गाफिल स्वामी, पवन आगरी, योगी सूर्यनाथ, डॉ. मुक्ता सिकरवार, दीपांशु शम्स, कु. उन्नति भारद्वाज, प्रिया शुक्ला, मनोज मधुवन, सागर गुजराती, राजीव क्वात्रा, अतुल दुबे, मुकुल कुमार, आकाश परमार, राम गोस्वामी, राम पटसारिया, राकेश निर्मल, मोहित सक्सेना, राहुल शर्मा 'राज', हरेंद्र हर्ष, वीना अब्राहम, मोहिनी भटनागर' ने अपने गीतों, छंदों, गजलों, दोहों और मुक्तकों से समाँ बाँध दिया। संचालन कवि पदम गौतम ने किया। नंद नंदन गर्ग, हिमानी चतुर्वेदी, रविकांत चावला, अदिति कात्यायन, हीरेंद्र नरवार भी मौजूद थे।

राष्ट्रीय कवि संगम ब्रज प्रांत और सारंग फाउंडेशन की ओर से आयोजित प्रांतीय कवि सम्मेलन सम्मेलन में राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश मित्तल का अभिनंदन करते पदाधिकारी

कवियों ने बहाई रसधारा, गूँजा राष्ट्र जागरण धर्म हमारा